www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
12 जुलाई 2026
वर्षः 49
अंकः 75 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ममता बनर्जी के जवाब में ऋतब्रत गुट ने चला दांव

● बिप्लब मित्र को बनाया टीएमसी का प्रदेश अध्यक्ष

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी संगठनात्मक संघर्ष के बीच ऋतब्रत बनर्जी गुट ने अपने संगठन का नया प्रदेश नेतृत्व घोषित कर दिया है। शुक्रवार को तपसिया के एक होटल में हुई लंबी बैठक के बाद ऋतब्रत बनर्जी ने वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिप्लब मित्र को अपने गुट की ओर से असल तृणमूल कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया। कसबा के विधायक जावेद खान को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। हाल ही में

चंद्रिमा भट्टाचार्य के इस्तीफे के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वयं को तृणमूल का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया था। इसके जवाब में ऋतब्रत गुट ने बिप्लब मित्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर अपनी संगठनात्मक ताकत दिखाने की कोशिश की है। बैठक में कई अन्य संगठनात्मक नियुक्तियों की भी घोषणा की गई। चंद्रिमा भट्टाचार्य को राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया। महिला संगठन की अध्यक्ष सबीना यासमीन और कार्यकारी अध्यक्ष शिउली साहा नियुक्त की गईं। छात्र संगठन टीएमसीपी के अध्यक्ष सुदीप राहा तथा चेयरमैन कोहिनूर मजूमदार बनाए गए। युवा संगठन की जिम्मेदारी अनीसुर रहमान विदेश को सौंपी गई, जबकि अनुसूचित जाति–जनजाति प्रकोष्ठ का दायित्व पूर्व विधायक आशीष मार्जित को दिया गया।

2029 से लागू हो सकता है वन नेशन वन इलेक्शन

● संसदीय समिति के अध्यक्ष बोले- 99 फीसदी लोग पक्ष में

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की संयुक्त समिति कोशिश कर रही है कि 2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू हो सके। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी के मुताबिक, अब तक चर्चा में शामिल लगभग 99 फीसदी नागरिक और संगठनों ने इसका समर्थन किया है। समिति ने गोवा

के मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों सहित कई राज्यों के विशेषज्ञों से इस पर सलाह ली है। गोवा दौरे पर गए समिति के सदस्य और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि बार–बार चुनाव से छोटे राज्य गोवा पर इतना प्रभाव पड़ता है, तो बड़े राज्यों और पूरे देश पर इसका असर और भी ज्यादा होता होगा। उन्होंने बताया कि समिति का अगला दौरा लखनऊ का होगा, जहां मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता, राजनीतिक दल शामिल होंगे।

शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार की तारीफ की

● चार दिन पहले पवार-शिंदे की मुलाकात हुई थी

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (शरद) के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में हुए बदलाव की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से लाखों किसानों को फायदा मिलेगा। पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का धन्यवाद भी किया।

शरद पवार की पार्टी एनसीपी के एनडीए में शामिल होने या कांग्रेस में विलय की अटकलें भी हैं। हालांकि, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने इन सभी चर्चाओं को अफवाह बताया है। सूत्रों के मुताबिक, पवार की पार्टी के नेता एनडीए में शामिल के फेवर में नहीं हैं। कुछ नेताओं ने इस पर असहमति जताई है। दरअसल, इन अटकलों को उस समय और बल मिला, जब शरद पवार ने महाराष्ट्र–कर्नाटक सीमा विवाद पर 8 जुलाई को मुंबई में विधानभवन में मीटिंग हुई थी। इसके बाद पवार ने डिप्टी सीएम शिंदे के कमरे में अपनी पार्टी के विधायकों से मुलाकात की।

वाट्सएप विवाद के बीच ऐक्शन में मोदी सरकार

● सभी मैसेजिंग ऐप्स को लेकर एक जैसे नियम बनाने का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के लिए एक जैसे नियम बनाने पर विचार कर रही है। सरकार को वाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर चिंता है। अधिकारियों को डर है कि इससे किसी और का रूप धरने ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट स्कैम का खतरा बढ़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय देश में चल रही मैसेजिंग सेवाओं के लिए कॉमन स्टैंडर्ड्स (मानक) बनाने पर काम कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि सभी प्लेटफॉर्म्स पर एक जैसे नियम लागू हों और उनके फीचर्स को लेकर सरकार के फैसलों को स्पष्ट कानूनी आधार मिले। मंत्रालय वाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर का औपचारिक रूप से विरोध करने की भी तैयारी कर रहा है। उसे चिंता है कि इससे कानून लागू करने वाली एजेंसियों के लिए अपराधों की जांच करना मुश्किल हो सकता है।

सीएम योगी का कुशीनगर की धरती से सपा को संदेश

मंदिरों पर कब्जा कराते थे, आज हमें आईना दिखा रहे

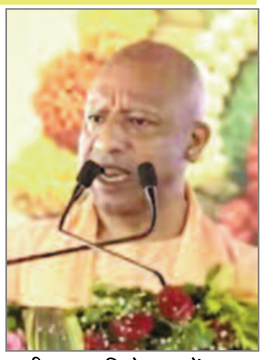

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर चुन–चुनकर हमला किया। योगी ने कहा कि आज हर धर्म के लोग अपना त्योहार मना रहे हैं। सपा सरकार में दुर्गा पूजा के समय प्रतिमा नहीं रखने दी जाती थी। होली पर रंग नहीं लगाने देते थे। डोल मेले पर रोक लगाते थे। ये लोग अयोध्या, मथुरा और काशी के बारे में कैसे सोचते थे। मंदिरों पर कब्जा कराते थे। अब मंदिरों पर कब्जा नहीं सुंदरीकरण हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुशीनगर के रामकोला हाटा विधानसभा क्षेत्र की 525 करोड़ की 464 परियोजनाओं का शनिवार को लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा मंदिरों के सुंदरीकरण का पैसा कब्रिस्तान पर खर्च करती थी। आज हमें आईना दिखा रहे हैं, यह शोभा नहीं देता है। आज हर जगह विकास हो रहा है। कुशीनगर की एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी शुरू होने वाली है। कुशीनगर में टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं, जिसे सरकार बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा कि नारायणी नदी के उस पार की कनेक्टिविटी नहीं थी। हम उनके लिए भी पुल बनाने जा रहे हैं।

रेप के आरोपी ने जमानत मिलते ही कर दी 6 हत्याएं

● पहले पत्नी-बच्चों, फिर पीड़ित और उसके परिवार को मार डाला, तेलंगाना की घटना

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 हत्याएं कर दीं। पहले उसने अपनी 30 साल की पत्नी, 4 साल और 18 महीने के दो बेटों की हत्या की। इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने 17 साल की रेप पीड़ित, उसकी मां और नानी को भी मार दिया। लड़की ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था। **परिवार बोला- पहले ही मारने की धमकी दी थी-** लड़की के मामा नरेश ने बताया, उसने मेरी चाची और भांजी की हत्या कर दी। उसने पहले भी लड़की को परेशान किया था और उस पर पाक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने धमकी दी थी वह एक-दो हफ्ते में पूरे परिवार को मार डालेगा। मामला दर्ज होने के बाद भी उसे पूछताछ या रिमांड के लिए नहीं ले जाया गया।

पीएम मोदी ने मंच से दिखाया 25 साल पुराना मफलर

ऑकलैंड (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने करीब तीन दशक पुराना किस्सा सुनाया। पीएम ने कहा- 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था, तब मुझे यहां आने का मौका मिला था। उस समय मुझे किसी ने गिफ्ट में 3 चीजें दीं, जो मैं भारत लेकर गया। एक-

● पीएम बोले-यहीं मुझे गिफ्ट में मिला था, आज भी संभालकर रखा है

मफलर, दूसरी- कैप और तीसरा-एक सेट दस्ताना। उसमें भी एक चीज मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया हूं। इस मफलर को मैंने कई बार इस्तेमाल किया।

● **भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य जुड़ा है-** ये कोलेब का जमाना है, दोनों देश साथ- अगर हम कंटेंट क्रिएटर्स की भाषा में बात करें तो ये कोलेब का जमाना है। दोनों देश स्पोर्ट्स में भी बहुत शानदार कोलेब कर सकते हैं। रग्बी इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत रग्बी में न्यूजीलैंड से सीखना चाहता है। हमें कोच चाहिए, एक्सपर्ट चाहिए। न्यूजीलैंड हमारी बहुत मदद कर सकता है। **चंद्रयान की लैंडिंग पर न्यूजीलैंड नाच रहा था-** भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य जुड़ा है। स्पेस से सेक्टर इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत का चंद्रयान जब मून के साउथ पोल पर लैंड किया तो न्यूजीलैंड नाच रहा था।

समुद्र में बढ़ेगी दुश्मनों की टेंशन, नौसेना में शामिल हुआ आईएनएस महेंद्रगिरि

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम नेवल डॉकयार्ड में आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल (कमीशन) किया। महेंद्रगिरि प्रोजेक्ट-17ए की नीलगिरि कैटेगरी का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट (युद्धपोत) है। इसे बनाने में 75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। आईएनएस महेंद्रगिरि स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस है। यह हवाई हमलों, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों से एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है।

75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी तकनीक- इसे भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है और मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने तैयार किया है। युद्धपोत में 75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसके निर्माण में देशभर की कई कंपनियों ने भी योगदान दिया है, जिससे रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। महेंद्रगिरि में आधुनिक सरफेस–टू–सरफेस और सरफेस–टू–एयर मिसाइल सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, एंटी–सबमरीन वॉरफेयर सिस्टम और इंटीग्रेटेड कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाए गए हैं।

भारी टकराव के बाद अब पंजाब कांग्रेस में सब ठीक!

● बागी गुट से बघेल की 2 घंटे मीटिंग, बोले-हाईकमान को दूंगा पूरी रिपोर्ट ● बघेल बोले-जीतने वाले को ही टिकट मिलेगी, सभी के हितों का ध्यान रखूंगा

लुधियाना/चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले टूट का खतरा बना हुआ है। पूर्व सीएम व जालंधर सांसद चरणजीत चन्नी की अगुआई वाले कांग्रेस के बागी गुट और प्रभारी भूपेश बघेल की चंडीगढ़ में राणा गुरजीत के घर करीब 2 घंटे मीटिंग चली। मीटिंग के बाद बघेल ने कहा- मैं लगातार 5 दिन से चंडीगढ़ में हूं। सभी नेताओं से मिला हूं। मुझे आज राणा गुरजीत ने न्योता दिया था। सभी साथियों से बात हुई। मुलाकात हुई। उन्होंने अपनी बात रखी है। जो पार्टी हाईकमान का फैसला है, किसी को ऐतराज नहीं है। कुछ बातें हैं, जिसको देखा जाएगा।

● **जो जीतने लायक है, उसे जरूर टिकट मिलेगी-** कोई भी ये न सोचे कि उसके सिर पर किसी का हाथ नहीं है। मैं अपनी पूरी रिपोर्ट हाईकमान को दूंगा। यहां पर जो जीतने लायक होगा पार्टी उसे ही टिकट देगी। यह बिलकुल तय है।

चोटियों पर जमी हल्की बर्फ, बारिश के बीच मंदिर में दर्शन कर रहे श्रद्धालु

बदरीनाथ। बदरीनाथ में सुबह से बारिश का सिलसिला जारी है। बारिश के बीच श्रदालु भगवान बदरी विशाल के दर्शन कर रहे हैं। वहीं धाम में अलकनंदा नदी भी उफान पर है। देशभर से हजारों श्रद्धालु बदरीनाथ धाम पहुंचकर श्रद्धाभाव के साथ भगवान बदरी विशाल के दर्शन कर रहे हैं। लाइन में खड़ा हर एक श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार कर रहा है। बदरीनाथ धाम में पर्वत चोटियों पर हल्की बर्फ जमी है, तो वहीं पर्वतों की तलहटी में मखमली बुग्याल श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

बदरीनाथ की यात्रा श्रद्धा और विश्वास के साथ सुचारु रूप से संचालित हो रही है। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर के सिंह द्वार और आसपास के क्षेत्र में भक्तों की अच्छी–खासी भीड़ देखने को मिल रही है। यात्रा के पहले चरण के बाद अब दूसरे चरण की यात्रा जारी है।

दूसरे चरण में श्रद्धालुओं की संख्या में कमी

पहले चरण की तुलना में श्रद्धालुओं की संख्या में कुछ कमी आई है, लेकिन स्थानीय होटल व्यवसायियों का कहना है कि पिछले वर्षों की अपेक्षा इस बार बरसात के मौसम में भी तीर्थयात्रियों की अच्छी आमद बनी हुई है। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मेहता का कहना है कि श्रद्धालु बदरीनाथ के दर्शनों के बाद यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का दीदार करने के लिए माणा गांव व अन्य दर्शनीय स्थलों में भी पहुंच रहे हैं। वहीं, भीड़ अपेक्षाकृत कम होने से श्रद्धालुओं को भगवान बदरी विशाल के दर्शन भी आसानी और कम समय में हो रहे हैं।

दतिया उपचुनाव में नरोत्तम का टिकट कटने पर बवाल

एसपी समेत 8 पुलिसकर्मी घायल, जिले में धारा 163 लागू

विजयवर्गीय बोले-आशुतोष ही जीतेंगे, टिकट नहीं बदलेगा

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को चुनाव होना है। यहां से भाजपा ने आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। शुक्रवार शाम यह खबर फैलते ही एमपी के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समर्थक भड़क गए। उन्होंने हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ देर में पथराव, चक्काजाम और पुलिस से झड़प शुरू हो गई। शनिवार सुबह प्रशासन ने पूरे जिले में बीएनएस की धारा 163 लागू कर दी। इसके तहत बिना अनुमति किसी भी सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन और सार्वजनिक आयोजन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है।

कैलाश बोले- टिकट घोषित होने के बाद बदलने की परंपरा भाजपा में नहीं- प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के भीतर चल रही नाराजगी पर कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है। कार्यकर्ताओं को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन सभी कार्यकर्ताओं से संवाद कर मतभेद दूर करेगा। भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी भारी मतों से जीतेंगे। विजयवर्गीय ने कहा- डॉ. नरोत्तम मिश्रा पार्टी के वरिष्ठ और समर्पित नेता हैं। संगठन के निर्णय का सम्मान करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा में टिकट घोषित होने के बाद उसे बदलने की परंपरा नहीं है। दतिया में भी उम्मीदवार बदलने की संभावना नहीं है।

हालात बिगड़ने पर अतिरिक्त बल तैनात

शनिवार सुबह करीब 4.30 बजे हुए पथराव में एसपी, एसडीओपी और आठ पुलिसकर्मी घायल हो गए। वहीं नरोत्तम मिश्रा के कुछ समर्थकों के भी घायल होने की सूचना है। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात किया। बताया गया कि कुछ समर्थकों ने भाजपा कार्यालय में खुद को बंद कर लिया था, जिन्हें बाद में प्रशासन की समझाइश के बाद बाहर निकाला गया। बड़ौनकलां में जाम की सूचना के बाद प्रशासन ने एहतियातन दतिया स्थित भाजपा कार्यालय में करीब 250 कार्यकर्ताओं को अंदर ही रोक दिया। कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और पूरे इलाके की निगरानी की गई, ताकि स्थिति दोबारा न बिगड़े। भाजपा संगठन ने दतिया में टिकट के बाद उपजे असंतोष और विरोध को थामने की जिम्मेदारी डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा को दी है। इसके लिए डिप्टी सीएम दतिया के लिए रवाना हो गए हैं। वह भाजपा के असंतुष्ट कार्यकर्ताओं से मिलेंगे।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान से शासन और जनता के बीच बढ़ा विश्वास : धामी

1 हजार से अधिक लोगों ने कराया पंजीकरण, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का मिला लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को श्री गुरु रामराय पब्लिक स्कूल, सहसपुर में ''सेवा, सुशासन एवं समर्पण'' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित ''जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार'' जनसेवा शिविर में प्रतिभाग करते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य शासन-प्रशासन को जनता के और अधिक निकट लाना है। सरकार की प्राथमिकता है कि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि सरकार स्वयं उनके द्वार तक पहुंचकर सेवाएं उपलब्ध कराए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और सुशासन का वास्तविक अर्थ संवेदनशील, जवाबदेह एवं जनकेंद्रित प्रशासन है। कहा कि ''जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार'' अभियान ने शासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत किया है तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में प्रभावी माध्यम सिद्ध हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के प्रथम चरण में प्रदेशभर में 65 दिनों के दौरान लगभग 700 जनसेवा शिविर आयोजित किए गए, जिनमें पांच लाख से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया। देहरादून जनपद में आयोजित 46 शिविरों में 60 हजार से अधिक नागरिकों ने सहभागिता की तथा लगभग 39 हजार लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ मौके पर ही उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि सेवा, सुशासन एवं समर्पण के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सेवा पखवाड़े के तहत प्रदेशभर में जनसेवा शिविर लगाए जा रहे हैं। 4 जुलाई से प्रारंभ हुए सेवा पखवाड़े में अब तक 64 हजार से अधिक नागरिकों ने प्रतिभाग किया है। इस दौरान प्राप्त 5,567 जनसमस्याओं में से 4,951 का समाधान सुनिश्चित किया गया है तथा 2,522 नागरिकों को विभिन्न प्रमाण-पत्रों एवं सेवाओं से लाभान्वित किए जाने की प्रक्रिया संचालित की गई है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित शिविर में 01 हजार से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। इस अवसर पर पात्र लाभार्थियों को विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत प्रमाण-पत्र एवं

अन्य सहायता वितरित की गई। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से आमजन को योजनाओं की जानकारी देने के साथ मौके पर ही आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक सहसपुर सहदेव सिंह पुण्डीर, दायित्वधारी विनय रोहिला, पुनीत मित्तल, ओमवीर सिंह, भुवन विक्रम डबराल, भाजपा के जिलाध्यक्ष मीता सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष नीरू देवी, अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आशीष चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह एवं जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

दो माह में लगेगी सोलर लाइटें

कारबारी ग्रांट निवासी सुमन बासकंडी ने मुख्यमंत्री को सौंपे ज्ञापन में साईलोक कारबारी ग्रांट में 30 सोलर लाइट लगाने की मांग की, जिस पर मुख्यमंत्री ने एमडीडीए को 2 माह के भीतर सोलर लाइट लगाने के लिए निर्देशित किया।

इसी तरह स्थानीय निवासी बबली गुप्ता ने मुख्यमंत्री को जूट बैग बनाने के लिए सिलाई मशीन उपलब्ध कराने के लिए मांगपत्र सौंपा, जिस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें आज ही सिलाई मशीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इसी तरह सेलाकुईं नगर पंचायत के सभासद अनिल नौटियाल ने आंतरिक मार्ग, नालियों, जल निकासी व्यवस्था, इंटरलॉकिंग सीसी मार्ग सहित अन्य विकास कार्यों की मांग की थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने शहरी विकास निदेशालय को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। गोकुल फाउंडेशन चौरिटेबल ट्रस्ट की मांग पर मुख्यमंत्री ने ट्रस्ट की सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

एक नजर

सीएचसी में अल्ट्रासाउंड जांच न होने से मरीज परेशान

गरमपानी (नैनीताल)। जिले के सबसे दूरस्थ विकासखंड बेतालघाट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अल्ट्रासाउंड नहीं होने से मरीजों को अल्मोड़ा, हल्द्वानी और रानीखेत के अस्पतालों की दौड़ लगानी पड़ रही है। बीते दिनों बेतालघाट सीएचसी पर हुए धरना–प्रदर्शन में विधायक सरिता आर्या ने अल्ट्रासाउंड सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया था। जोशीखोला की ग्राम प्रधान पूजा जोशी ने बताया कि अल्ट्रासाउंड की मांग करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष बालम सिंह और चापड़ निवासी दलीप नेगी ने अल्ट्रासाउंड मशीन के साथ रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती की मांग की है।

उत्तराखंड–यूपी पुलिस ने सीमा पर की बैठक

किच्छा। सावन माह में होने वाले कांवड़ यात्रा की सुरक्षा के लिए तैयारियां तेज होने लगी हैं। सुरक्षित और शांत यात्रा संपन्न कराने के लिए उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। दोनों राज्यों के अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था और संभावित समस्याओं पर चर्चा की। शुक्रवार को बहेड़ी क्षेत्र के मुंडिया में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई पुलिस अधिकारी पहुंचे। पुलिस उपाधीक्षक भूपेंद्र सिंह धौनी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान अक्सर कानून व्यवस्था की समस्या आती है। बैठक में सीमावर्ती क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों ने आपस में बेहतर समन्वय बनाए रखने का निर्णय लिया। कांवड़ियों के बड़ी संख्या में आने पर यातायात को नियंत्रित करने की रूपरेखा प्रस्तुत की। तय हुआ कि हर कांवड़ समूह के मुखिया का मोबाइल नंबर दोनों राज्यों के अधिकारियों के पास होगा। इससे किसी भी आपातस्थिति में त्वरित संपर्क स्थापित किया जा सकेगा। दोनों राज्यों की पुलिस एक–दूसरे की सीमा तक सुरक्षा ड्यूटी मुहैया कराएगी।

उन्होंने बताया कि दोनों राज्यों के कुछ अपराधी सीमावर्ती क्षेत्रों में छिपे हैं जिनकी सूची एक–दूसरे को सौंपी है। इस कदम से अपराधियों पर शिकंजा कसने में मदद मिलेगी।

जिले में 151 किसानों को मिलेगा सी ग्रेड सेब का भुगतान

भीमताल (नैनीताल)। जिले में 151 किसानों के सी ग्रेड सेब का बकाया 15.36 लाख रुपये का बजट शासन से उद्यान विभाग को जारी हो गया है। पिछले वर्ष 151 किसानों ने उद्यान विभाग को अपना सी ग्रेड सेब बेचा था। विभाग ने 13 रुपये किलो की दर से किसानों का सेब खरीदा था। शासन से धानाचूली, भटेलिया, सतबुंगा, सूफी, रामगढ़ और हरतोला के किसानों के लिए बजट जारी हुआ है। मुख्य उद्यान अधिकारी प्रेमा राणा ने कहा कि किसानों को जल्द भुगतान कर दिया जाएगा।

23 वन अपराधों में फरार आरोपी गिरफ्तार

रामनगर। तराई पश्चिमी वन प्रभाग की रामनगर रेंज की टीम ने वर्षों से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पेड़ों की तस्करी, अवैध कटान समेत 23 मामले दर्ज हैं। रेंजर शेखर चंद्र तिवाड़ी ने बताया कि शुक्रवार को आरोपी गांव गोबरा निवासी लखविंदर को मुखबिर की सूचना पर गुलजारपुर बीट के प्लॉट नंबर–2 से गिरफ्तार किया। बताया कि लखविंदर के खिलाफ वर्ष 2020 से 2026 के बीच सागौन, शीशम और खैर के पेड़ों के अवैध कटान से जुड़े कुल 23 वन अपराध दर्ज हैं। लंबे समय से वन विभाग की टीम उसकी तलाश कर रही थी लेकिन वह लगातार गिरफ्तारी से बचता आ रहा था। बताया कि आरोपी के आपराधिक इतिहास को देखते हुए उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू करने के लिए उच्चाधिकारियों से अनुमति मांगी गई है।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग पर गरजे प्राथमिक शिक्षक

हल्द्वानी/भीमताल/रामनगर /कोटाबाग। उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन, उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ की हल्द्वानी शाखा के बैनर तले शुक्रवार को विभिन्न मांगों के लिए शिक्षकों ने बीआरसी धौलाखेड़ा में धरना देकर प्रदर्शन किया। उन्होंने इस संबंध में प्रधानमंत्री और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा।संगठन के पदाधिकारियों ने मांग की कि आरटीई अधिनियम लागू होने से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को सेवा में बने रहने और पदोन्नति के लिए टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त रखा जाए। इसके लिए अधिनियम में पुख्ता संशोधन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने नई पेंशन व्यवस्था को समाप्त कर पुरानी पेंशन व्यवस्था को पुनः बहाल करने की भी पुरजोर मांग की। इस दौरान कार्यक्रम का मंच संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक शाखा हल्द्वानी के अध्यक्ष मदन सिंह बर्तवाल ने किया। ज्ञापन चेतना बोरा के माध्यम से अधिकारियों को सौंपा गया। वहां संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास जायसवाल, डिगर सिंह पडियार, पूरन नयाल, अमित जोशी, महेश कपिल, विजय कपिल, महिपाल राणा, कोषाध्यक्ष सुमन बिष्ट, महामंत्री अनुपमा बमेठा, हीरा सिंह टोलिया, चंदन सिंह कोहली आदि मौजूद रहे।

फैलकोन एवं यूनाइटेड एफसी ने जीत दर्ज की

नैनीताल। 103वीं लैंडो लीग फुटबाल प्रतियोगिता के तहत शुक्रवार को दो मुकाबले खेले गए। खेल की समाप्ति तक रोमांचक रहे दोनों मुकाबलों में विजेता टीमों ने एकमात्र गोल से जीत दर्ज की। रिमझिम बारिश के बीच भी मुकाबले देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट रही।

बारिश से उफान पर आया भट्टा फॉल, रौद्र रूप देख सहमे पर्यटक

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। वहीं भारी बारिश का असर शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल भट्टा फॉल पर भी देखने को मिला, जहां झरने का पानी तेज बहाव के साथ उफान पर आ गया। सामान्य दिनों में शांत नजर आने वाला भट्टा फॉल बारिश के बाद अपने रौद्र रूप में दिखाई दिया, जिसे देखकर स्थानीय लोग और पर्यटक भी हैरान रह गए। बारिश के कारण भट्टा फॉल में पानी का प्रवाह काफी बढ़ गया है। झरने से गिरता तेज पानी और आसपास बहते जलधाराओं का दृश्य लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। हालांकि भट्टा फॉल में पानी बढ़ने से किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नही हुआ है।

पर्यटकों का कहना है कि बारिश के बाद पहाड़ों का प्राकृतिक सौंदर्य और अधिक निखर गया है, लेकिन तेज बहाव वाले स्थानों पर सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है। वहीं स्थानीय लोग भी मौसम के रुख को देखते हुए सतर्क नजर आ रहे हैं। स्थानीय निवासी शिवम ने बताया कि बारिश के कारण भट्टा फाँल में पानी बढ़ गया है। इससे फाँल अपने रौद्र रुप में दिखाई दिया।हालांकि फाँल का पानी बढ़ने से किसी भी प्रकार से कोई नुकसान नही हुआ है। कहा पानी बढ़ने के साथ ही स्थानीय व्यापारी, रेस्टोरेंट संचालक सतर्क है ।

हर बूथ पर सुनवाई की बेहतर व्यवस्था

नैनीताल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची को शुद्ध, समावेशी और अद्यतन बनाने के लिए नोटिस सुनवाई की तैयारियों की समीक्षा की गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखंड डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में सभी जिलाधिकारियों और कुमाऊं–गढ़वाल मंडलों के आयुक्तों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में निर्देश दिए कि प्रत्येक बूथ एवं ग्राम स्तर पर नोटिस सुनवाई के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सुनवाई स्थलों पर इंटरनेट, कंप्यूटर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, बिजली बैकअप, डेटा एंट्री ऑपरेटर, सहायक स्टाफ, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और उपस्थिति रजिस्टर जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) एवं अतिरिक्त एईआरओ पूरे माह के लिए सुनवाई का निश्चित समय तय करेंगे।

विकास योजनाओं के लिए 28 करोड़ की स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों के लिए 28 करोड़ की वित्तीय स्वीकृत दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ में ध्वज जयन्ती माता मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु विकास कार्य (यथा- आवास, पेयजल, शौचालय मार्ग आदि) का निर्माण किये जाने हेतु 97.09 लाख, विकासखण्ड मूनाकोट के ग्राम पंचायत भौड़ी के अन्तर्गत बुद्धेश्वर मंदिर में सौन्दर्यीकरण एवं दिवार एवं धर्मशाला का निर्माण किये जाने हेतु 22.00 लाख, जनपद ऊधमसिंहनगर के विधानसभा क्षेत्र खटीमा में ग्राम भूड महोलिया में चार बीघा जमीन पर छठ पूजा स्थल बनाये जाने हेतु 2.70 करोड़ तथा जनपद रूद्रप्रयाग के विधानसभा क्षेत्र केदारनाथ में द्वितीय केदार श्री मद्महेश्वर धाम को विकसित किये जाने हेतु 54.81 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ में मोटर मार्ग बेडा से भट्ट्यानी मेल्टीनाथ तक आंतरिक सम्पर्क सी0सी0 मार्ग का निर्माण किये जाने हेतु 62.19 लाख, जनपद ऊधमसिंहनगर के विधानसभा क्षेत्र सितारगंज में ग्राम सूर्यनगर एवं ग्राम शान्तिपुरी न0-4 के मध्य स्थित गोला नदी पर 250 मीटर स्पान पीएससी सेतु का निर्माण किये जाने हेतु 18.78 करोड़, जनपद नैनीताल के विधानसभा क्षेत्र भीमताल में राज्य योजना के अन्तर्गत भीमताल-नैकुचियाताल मोटर गार्ग (जिला मार्ग) के किमी. 1 से 06 में 30 एमएमबीसी द्वारा सुधारीकरण कार्य हेतु 2.46 करोड़ तथा जनपद हरिद्वार के विधानसभा झबरेडा में राज्य योजना के अन्तर्गत अकबरपुर-खुण्डेवाली-लोदीवाला-झबरेडा नगर पंचायत तक मार्ग का पी.सी. का कार्य हेतु 66.68 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

राज्य में 91 सड़कों पर आवाजाही ठप

देहरादून। राज्य में भूस्खलन समेत अन्य कारणों से 91 मार्ग बंद हैं। इसमें एक राष्ट्रीय राजमार्ग और दो स्टेट हाइवे है। मार्ग के बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक पौड़ी गढ़वाल जिला प्रभावित है, जहां पर 21 मार्ग बंद हैं। इसके अलावा चमोली में 19 सड़क पर आवागमन बंद है। अल्मोड़ा तीन, बागेश्वर चार, चंपावत एक, देहरादून एक, हरिद्वार चार, पिथौरागढ़ दस, रुद्रप्रयाग तीन, टिहरी 17 और उत्तरकाशी में जिले में एक एनएच समेत आठ मार्ग बंद है। लोनिवि सड़क को खोलने का प्रयास कर रहा है।

11 बांध, बैराज में जल स्तर खतरे के निशान के पास

राज्य में 11 बांध और बैराज में पानी का जल स्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया। वहीं, शुक्रवार की सुबह आठ बजे उत्तरकाशी में भागीरथी नदी का जल स्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया था, जो बढ़ रहा था। कोटेश्वर और रुद्रप्रयाग में नदी का जल स्तर भी खतरे का निशान के पास पहुंचा। बदरीनाथ में अलकनंदा नदी का जल स्तर खतरे के निशान के पास पहुंचा, जो बाद में घटना शुरू हो गया। गंगा नदी का ऋषिकेश और हरिद्वार में जल स्तर कम हो रहा है।

जंगल में युवक का शव फंदे से लटका मिला

गौलापार(नैनीताल)। चोरगलिया थाना क्षेत्र के दुवेलवेरा गांव के समीप जंगल में शुक्रवार को एक युवक का शव फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार दोपहर करीब 2:40 बजे ग्राम प्रधान लाखनमंडी दीपक चौसाली की सूचना पर थानाध्यक्ष तारा सिंह राणा, उपनिरीक्षक नीशू गौतम के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल महेश चन्द्र शर्मा के खेत के पास स्थित जंगल में पाया गया, जहां एक युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ में मृतक की पहचान राजा पोखरिया (32 वर्ष) पुत्र हरीश चन्द्र पोखरिया निवासी दुवेलवेरा, चोरगलिया के रूप में हुई।

न्याय पंचायत और वार्ड स्तर पर होगा एसआईआर की आपत्तियों का निपटारा

देहरादून। उत्तराखंड में एसआईआर से संबंधित दावे और आपत्तियों की सुनवाई न्याय पंचायत और वार्ड स्तर पर होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस संबंध में निर्देश दिए। उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने शुक्रवार को कुमाऊं और गढ़वाल के मंडलायुक्तों व सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी चरणों जैसे ड्राफ्ट पब्लिकेशन, नोटिस फेज और दावे–आपत्तियों के निस्तारण के दौरान मतदाताओं को मानसून के कारण कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मानसून के दौरान पर्वतीय जिलों में सड़कें बंद होने या आवाजाही प्रभावित होने की आशंका रहती है। इसके लिए पहले से ही विशेष इंतजाम किए जाएं। उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों में दावे–आपत्तियों के निस्तारण के लिए न्याय पंचायत स्तर पर क्लस्टर बनाकर कैंप लगाने का रोस्टर तैयार करने के निर्देश दिए।

वहीं, मैदानी क्षेत्रों के मतदाताओं की सुविधा के लिए तहसील के अलावा नगर निगम, नगर पंचायत और वार्ड स्तर पर कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत, गढ़वाल कमिश्नर आनंद स्वरूप, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र दुम्का सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

मिलम सड़क पर उफनाया बिल्जू नाला

मुनस्यारी (पिथौरागढ़)। चीन सीमा पर तैनात सेना की चौकियों और मल्ला जोहार के मिलम गांव को जोड़ने वाली रणनीतिक सड़क पर बिल्जू नाला आफत बन गया है। नाले के उफान पर आने से इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। हालात इस कदर खतरनाक हैं कि स्थानीय ग्रामीणों के साथ–साथ देश की सुरक्षा में तैनात सैनिकों को भी लकड़ी की बल्लियां लगाकर जान जोखिम में डालते हुए इस उफनते नाले को पार करना पड़ रहा है।

मिलम सड़क पर बिल्जू गांव के पास बहने वाला नाला भारी बारिश से उफान पर आ गया है। नाले के तेज बहाव और इसके साथ बहकर आने वाले मलबे के कारण मिलम मार्ग पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। ऐसे में सेना के वाहन चौकियों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं और सैनिकों को पैदल आवाजाही करनी पड़ रही है। मजबूर होकर ग्रामीण और सैनिकों को उफनाए नाले को पार करने के लिए बल्लियों का सहारा लेना पड़ रहा है इसमें खतरा अधिक है।

पुल का निर्माण न होने से बढ़ी दिक्कत

मुनस्यारी। हर साल मानसूनकाल में बिल्जू नाला ग्रामीणों और सैनिकों की दिक्कत बढ़ाता है। बीआरओ ने इस नाले में मोटर पुल के निर्माण का प्रस्ताव तो भेजा है लेकिन इसे स्वीकृति नहीं मिली है। ऐसे में सैनिक और ग्रामीण जान जोखिम में डालकर इस नाले को पार करने के लिए मजबूर हैं।

2.37 लाख की ऑनलाइन ठगी की शिकायत

रुड़की। ऑनलाइन धोखाधड़ी के एक मामले में एक व्यक्ति ने पुलिस से का-र्रवाई की मांग की है। पीड़ित भारत कुमार निवासी मोहनपुरा ने शिकायत देकर बताया कि वह ऑनलाइन ठगी का शिकार हुआ है जिसमें उसके साथ 2,37,979 रुपये की धोखाधड़ी की गई। एक अज्ञात व्यक्ति ने किसी अन्य व्यक्ति की पहचान बताकर उसे विश्वास में लिया और धोखे से उसकी रकम अपने खाते में प्राप्त कर ली। आरोप है कि ठगी करने वाले व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड का इस्तेमाल कर उन्हें वास्तविक बताकर पीड़ित को भ्रमित किया। पीड़ित ने बताया कि यह ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी उत्तराखंड क्षेत्र से संबंधित है और उसके साथ छलपूर्वक उसकी संपत्ति हड़पी गई है। उसने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

अधिकारियों की लापरवाही, दूसरे के पते पर लिया कनेक्शन

देहरादून। बिजली विभाग में अधिकारियों की लापरवाही का आश्चर्यजनक मामला सामने आया है। रुड़की विद्युत वितरण खंड ने एक व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति के आवासीय पते पर बिजली कनेक्शन जारी कर दिया। असली मालिक को इसका पता तब चला जब बिजली काटने की जानकारी उनके पते पर भेजी गई। सूचना आयोग ने विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को इस मामले की जांच करने का आदेश दिया है। रुड़की के संदीप कुमार ने राज्य सूचना आयोग में एक अपील दाखिल कर बताया कि 2016 में उनके आवासीय पते पर एक बिजली कनेक्शन जारी किया गया। यह 2021 तक उपयोग

में रहा। 2025 में एक नोटिस द्वारा उन्हें इस कनेक्शन के काटे जाने की जानकारी दी गई। इसके बाद ही पीड़ित को इस मामले की जानकारी हुई। संदीप कुमार ने सूचना आयोग में मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि बिजली कनेक्शन जारी करने के पहले भी संबंधित पते का निरीक्षण किया गया होगा। अब विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनके पते पर जारी बिजली कनेक्शन किसी अन्य पते पर कैसे लगा दिया गया।

13 जुलाई को हर्रावाला से सोमनाथ जाएगी विशेष आस्था ट्रेन

देहरादून।उत्तराखंड सरकार के संस्कृति विभाग ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत हर्रावाला से गुजरात स्थित सोमनाथ धाम के लिए विशेष रेल यात्रा की तैयारियां तेज कर दी हैं।

संस्कृति निदेशालय ने इस संबंध में मुरादाबाद मंडल के मंडलीय रेल प्रबंधक को पत्र भेजकर यात्रा की व्यवस्थाएं करने का अनुरोध किया है। यह विशेष ट्रेन 13 जुलाई को हर्रावाला रेलवे स्टेशन से रवाना होगी, जिसमें 720 श्रद्धालु यात्रा करेंगे।

उत्तराखंड संस्कृति विभाग के निदेशक प्रदीप जोशी ने बीते 8 जुलाई को मंडलीय रेलवे प्रबंधक, मुरादाबाद मंडल को पत्र भेजा है। पत्र में लिखा है कि उत्तर क्षेत्र आईआरसीटीसी, लखनऊके अनुरोध पर संस्कृति विभाग ने ट्रेन की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट के रूप में 9 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान भी कर दिया है।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुबह का नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन, पीने का पानी, चाय–कॉफी, शीतल पेय, छाछ और पैक्ड नारियल पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रेन में आवश्यक स्टाफ, नामित अधिकारी, संपर्क व्यवस्था और हरिद्वार स्टेशन पर एक निर्धारित ठहराव भी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

ज्वेलर्स चोरी मामले में बागपत जेल से आरोपी रिमांड पर

रुड़की। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के पूर्वी अंबर तालाब स्थित खन्ना ज्वेलर्स की दुकान में हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले में पुलिस ने बागपत जेल में बंद एक शातिर चोर को रिमांड पर लेकर चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर करीब 700 ग्राम चांदी बरामद की है। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद आरोपी को वापस बागपत जेल भेज दिया गया।

पिछले माह खन्ना ज्वेलर्स की दुकान में चोरों ने लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए थे। चोरी की पूरी घटना दुकान के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। मामले की जांच के दौरान बागपत पुलिस ने एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

विशाल हत्याकांड की दोबारा जांच की मांग

रूड़की। शक्ति विहार कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने अपने 29 वर्षीय बेटे विशाल की मौत को हादसा नहीं बल्कि हत्या बताते हुए मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। मृतक के पिता सरबजीत सिंह ने एसीजेएम रुड़की न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बेटे के तीन दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले में उच्च स्तरीय जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रार्थना पत्र में सरबजीत सिंह ने बताया कि उनका बेटा विशाल 24 अगस्त 2025 की रात खाना खाने के बाद अपने दोस्त संजीत उर्फ डी, विशाल उर्फ सैम्पो और जतिन के साथ घर से निकला था। रात करीब एक बजे विशाल ने अपनी मां को फोन कर बताया था कि उसके साथ कुछ मामला हो गया है और वह कुछ देर बाद घर आएगा। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया था। परिजनों के अनुसार, 26 अगस्त को गंगनहर के रेलवे पुल के पास विशाल का शव बरामद हुआ था।

पिता का आरोप है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर कई चोटें और गले पर धारदार हथियार के निशान मिले हैं। इससे यह दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या प्रतीत होती है। सरबजीत सिंह ने आरोप लगाया कि पूर्व में पुलिस ने मामले को दुर्घटना मानते हुए कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कोर्ट से मांग की कि किसी अन्य जांच एजेंसी या उच्च स्तरीय टीम से जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए। प्रार्थना पत्र में सीसीटीवी फुटेज की जांच, घटनास्थल की जांच, दोस्तों के बयान और अन्य बिंदुओं पर निष्पक्ष जांच की मांग भी की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोर्ट के आदेश पर तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

एक नजर

मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय इंटर कॉलेज क्यार्क में बोर्ड परीक्षा के मेधावियों को सम्मानित किया गया। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में ग्राम प्रधान शंकर नौटियाल ने हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। जिसमें हाईस्कूल में प्रथम श्रेणी के छः, द्वितीय श्रेणी के दो व तृतीय श्रेणी के तीन और इंटरमीडिएट में प्रथम श्रेणी के 19, द्वितीय श्रेणी के तीन छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। प्रधानाचार्य अजय पंवार ने छात्रों व शिक्षकों की भूमिका को सराहनीय बताया।

पूर्व प्रधान के पति और वर्तमान पार्षद आमने-सामने

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम के वार्ड संख्या-2 (फरासू) में प्रवेश द्वार पर नाम परिवर्तन के संबंध में शुरू हुआ विवाद गहराता जा रहा है। प्रवेश द्वार पर पूर्व प्रधान का नाम हटाने और वार्ड का नाम दर्ज करने पर पूर्व प्रधान के पति और वर्तमान पार्षद आमने-सामने आ गए हैं। शनिवार को मामले में नया मोड़ तब आ गया, जब पूर्व प्रधान सुरभि रावत के पति पंकज रावत ने पार्षद विजय चमोली सहित आठ लोगों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दे दी। इससे पहले पार्षद भी पंकज रावत व उनके साथियों पर सरकारी काम में बाधा डालने की शिकायत दर्ज करा चुके हैं। पंकज रावत ने पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप लगाया है कि पार्षद अपना नाम चमकाने के उद्देश्य से प्रवेश द्वार को क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। शुक्रवार रात साजिश के तहत प्रवेश द्वार पर अंकित पूर्व प्रधान सुरभि रावत का नाम मिटा दिया गया। उन्होंने पार्षद व उनके समर्थकों पर शराब के नशे में गाली-गलौज और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पंकज के अनुसार, नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि निगम की ओर से ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कोतवाली श्रीनगर के उपनिरीक्षक राजेश असवाल ने बताया कि फरासू प्रवेश द्वार विवाद में दोनों पक्षों की ओर से तहरीर प्राप्त हो चुकी है। पुलिस सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर ही आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गंगोत्री हाईवे के चार भूस्खलन जोन के स्थायी उपचार की प्रक्रिया शुरू

चिन्यालीसौड़। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबे समय से यात्रियों के लिए परेशानी बने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के स्थायी उपचार की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने हाईवे के चार संवेदनशील स्थानों के ट्रीटमेंट के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत नगुण–गोजमीर स्लाइड जोन, पोखू देवता क्षेत्र, बड़ेथी ओपन टनल सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक उपचार किया जाएगा। इन क्षेत्रों के लिए 113.12 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत हुई है। बीआरओ की ओर से जारी निविदाएं 1 अगस्त को खोली जाएंगी और टेंडर स्वीकृत होने के बाद 15 अगस्त के बाद धरातलीय कार्य शुरू होने की संभावना है। नगुण–गोजमीर भूस्खलन जोन में बरसात के दौरान मलबा आने से यातायात बाधित होता है, जबकि बड़ेथी ओपन टनल क्षेत्र में पिछले चार वर्षों से भूस्खलन सक्रिय है। पोखू देवता क्षेत्र में सड़क कटाव और धंसने की समस्या बनी हुई है। इसके अलावा गंगोत्री हाईवे के किमी 110 स्थित भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का भी उपचार प्रस्तावित है। बीआरओ के कमांडर राजकिशोर ने बताया कि संवेदनशील स्थानों के स्थायी उपचार की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद आधुनिक तकनीक से कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे सड़क की स्थिरता बढ़ाने और यात्रियों को सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, इन भूस्खलन जोनों के उपचार के लिए टीएचडीसी ने भी कार्ययोजना तैयार की है।

विधायक के आश्वासन पर भटवाड़ी में ग्रामीणों का धरना समाप्त

उत्तरकाशी। भटवाड़ी में विकास संघर्ष समिति के नेतृत्व में तीन सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा ग्रामीणों का धरना शनिवार को गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों का समाधान नहीं हुआ तो वे दोबारा आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे। ग्रामीण बीते 17 दिनों से भटवाड़ी में धरने पर बैठे थे। उनकी प्रमुख मांगों में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना, ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत गंगोत्री हाईवे का चौड़ीकरण और अन्य विकास कार्य शामिल थे। शनिवार को गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनरत ग्रामीणों से वार्ता की। उन्होंने ग्रामीणों को उनकी तीनों मांगों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। विधायक के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त करने का निर्णय लिया। इस दौरान विकास संघर्ष समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणों ने कहा कि मांगों के निस्तारण को लेकर प्रशासन और सरकार की ओर से ठोस पहल की उम्मीद है। मांगें पूरी न होने पर आंदोलन फिर से शुरू किया जाएगा। इस मौके पर कैशव नौटियाल, रमेश सिंह नेगी, विवेक नौटियाल, यजुवेंद्र रावत, विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व और जन्मांतराल पर किया जागरूक

उत्तरकाशी/पुरोला। विश्व जनसंख्या दिवस पर जिला मुख्यालय स्थित महिला अस्पताल और पुरोला उप जिला चिकित्सालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान लोगों को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, जन्मांतराल और जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जागरूक किया गया। जिला महिला चिकित्सालय में कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख अधीक्षक डॉ. पीएस पोखरियाल ने किया। वरिष्ठ महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. हिमाद्री ने परिवार नियोजन के स्थायी व अस्थायी साधनों, सुरक्षित मातृत्व और प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी दी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बीएस पांगती ने बताया कि इस वर्ष की थीम जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल है। इस अवसर पर पीसीपीएनडीटी कॉर्डिनेटर गिरीश व्यास और परिवार नियोजन काउंसलर अंजू रमोला मौजूद रहे।

जोगत मार्ग पर गहरी खाई में गिरने से व्यक्ति घायल

चिन्यालीसौड़। धरासू–जोगत मोटर मार्ग पर ग्राम नेरी के समीप पहाड़ी से अचानक पत्थर गिरने से एक व्यक्ति लगभग 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद खाई से निकालकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, ग्राम नेरी निवासी 54 वर्षीय बुद्धि सिंह रावत, पुत्र स्वर्गीय इंद्र सिंह रावत, सड़क मार्ग से गुजर रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी से पत्थर गिरने लगे जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे लगभग 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे.।

पहाड़ी से गिरे बोल्डर, सब्जी लदा पिकअप क्षतिग्रस्त, घंटों ठप रहा हाईवे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लगातार हो रही बारिश के बीच गुमखाल-सतपुली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर जोखिमभरा होता जा रहा है। शनिवार सुबह सतपुली मल्ली के समीप पहाड़ी से भारी बोल्डर गिरने से सब्जियों से लदा एक पिकअप वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। बोल्डर के कारण हाईवे कई घंटे तक पूरी तरह बंद रहा, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यात्रियों को आवागमन के लिए सतपुली-कांडाखाल-सिसल्डी-डेरियाखाल मोटर मार्ग का सहारा लेना पड़ा।

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के जलालाबाद निवासी रईस अहमद शुक्रवार रात करीब साढ़े 11 बजे पिकअप वाहन से सब्जियां लेकर सतपुली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सतपुली मल्ली के समीप पहाड़ी से बोल्डर हाईवे पर आ गिरे, जिससे मार्ग अवरुद्ध हो गया। रात में समय से बोल्डर हटाने का कार्य शुरु नहीं हुआ। ऐसे में चालक वाहन को मौके पर खड़ा कर पैदल ही सतपुली पहुंच गया। शनिवार सुबह करीब सात बजे उसे सूचना मिली कि जिस स्थान

गुमखाल-सतपुली के मध्य राष्ट्रीय राजामर्ग पर पिकप वाहन के ऊपर गिरा बोल्डर

पर उसका पिकअप खड़ा था, वहां पहाड़ी से भारी बोल्डर गिरने से वाहन उनकी चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया। साथ ही हाईवे पर खड़े वाहनों को सतपुली-कांडाखाल-सिसल्डी-डेरियाखाल मार्ग से आवागमन की सलाह दी। इस दौरान हाईवे के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था। हालांकि जेसीबी की मदद से हाईवे पर आए बोल्डर व मलबे को हटाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया था। लेकिन, मार्ग पर फिर भी हल्के बोल्डर आते रहें। जिससे इस मार्ग पर सफर किसी खतरे से कम नहीं है। सड़क पर जमा कीचड़ और पहाड़ी से गिर रहे बोल्डर यात्रियों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। एक सप्ताह पहले भी सतपुली मल्ली के समीप एक कार पर बोल्डर गिरने से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। हालांकि उसमें सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए थे। वहीं, इस घटना से दो दिन पहले बोलेरो वाहन पर बोल्डर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम के वार्ड संख्या 28 आम्रकुंज के पार्षद जेपी बिष्ट ने ऐठाणा गांव जाने वाले मार्ग और रोटरी क्लब की ओर से स्थापित जन-सुविधा कुर्सियों पर फैलाई जा रही गंदगी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व रात के समय यहां शराब पीकर खाने-पीने का सामान और खाली बोतलें छोड़ देते हैं जिससे क्षेत्र का प्राकृतिक सौंदर्य प्रभावित होने के साथ वातावरण भी दूषित हो रहा है। बिष्ट ने कहा कि यह स्थान प्रकृति के मनमोहक दृश्यों के लिए जाना जाता है, लेकिन कुछ लोगों की गैर-जिम्मेदाराना हरकतें इसकी सुंदरता को नुकसान पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम की ओर से कूड़ा संग्रहण वाहन नियमित रूप से क्षेत्र में पहुंच रहा है, इसके बावजूद सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकना नागरिक जिम्मेदारी के विपरीत है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे असामाजिक तत्वों पर नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर कार्रवाई करने की भी मांग की हैं। (एजेंसी)

कान में फंगल संक्रमण के बढ़े मरीज, विशेष सावधानी बरतें

श्रीनगर गढ़वाल : मानसून शुरू होने के साथ ही श्रीनगर उपजिला चिकित्सालय में कान में फंगल संक्रमण (ओटोमाइकोसिस) के मरीज पहुंचने लगे हैं। पिछले एक सप्ताह में 5 मरीज इससे पीड़ित पहुंचे हैं। इनमें श्रीनगर के अलावा रुद्रप्रयाग, चमोली, टिहरी और पौड़ी जनपदों से भी मरीज उपचार के लिए आ रहे हैं। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. दिगपाल दत्त ने बताया कि बरसात में वातावरण में नमी बढ़ने से कान में फंगस पनपने की आशंका काफी बढ़ जाती है। यदि कान में पानी चला जाए और वह लंबे समय तक नमी में रहे तो संक्रमण तेजी से फैल सकता है। शुरुआत में मरीजों को कान में खुजली, दर्द, भारीपन, सुनाई कम देना और कान से स्राव जैसी शिकायतें होती हैं। उन्होंने बताया कि समय रहते उपचार नहीं कराने पर संक्रमण कान के पर्दे तक पहुंच सकता है जिससे सुनने की क्षमता प्रभावित होने का खतरा रहता है। ऐसे में लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी किए ईएनटी विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। डॉ. दत्त ने लोगों से बरसात के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि बारिश में भीगने या नहाने के बाद कानों को अच्छी तरह सुखाएं। कान में तीली, पिन या अन्य नुकीली वस्तुओं का प्रयोग न करें और बिना चिकित्सकीय सलाह के किसी भी प्रकार का तेल या दवा कान में न डालें। उन्होंने कहा कि बरसात में थोड़ी-सी सावधानी और समय पर उपचार से इस संक्रमण से आसानी से बचा जा सकता है। (एजेंसी)

बारिश बनी आफत, नदियां उफान पर, खोह नदी से दो गोवंश का रेस्क्यू

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार और आसपास के क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से जारी बारिश जनजीवन पर भारी पड़ने लगी है। नदी, नाले उफान पर बहने से लोगों को भू-कटाव का खतरा सताने लगा है। शनिवार सुबह सिद्धबली के समीप खोह नदी में दो गोवंश नदी के तेज बहाव में फंस गए। दमकल विभाग ने गोवंश को सुरक्षित नदी से बाहर निकाला।

शनिवार सुबह दमकल को सूचना मिली कि खोह नदी में दो गोवंश फंसे हुए हैं। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद दोनों गोवंश को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं, लगातार हो रही बारिश से नदी नालों के आसपास रहने वाले लोगों की भी चिंता बढ़ गई है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के आसपास न जाने और अनावश्यक जोखिम से बचने की अपील की है। खोह, मालन और सुखरो नदी के किनारे बसे क्षेत्रों में भू-कटाव का खतरा लगातार बढ़ रहा है। वहीं, बारिश से पहले नालियों की सफाई नहीं होने के कारण वार्डों में जल भराव की स्थिति देखने को मिल रही है।

सिद्धबली के समीप खोह नदी में रेस्क्यू अभियान चलाकर गोवंश को बचाती दमकल की टीम

कोटद्वार-दुगड्डा हाईवे बंद, राहगीरों को करना पड़ा घंटों इंतजार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बरसात के मौसम में कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर खतरनाक हो गया है। शनिवार को बारिश के दौरान पांचवे मील से कुछ दूर पहाड़ी से भारी बोल्डर हाईवे पर आ गया। जिसके कारण हाईवे पर घंटों यातायात बंद रहा।

लगातार बारिश का असर कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी देखने को मिला। शनिवार सुबह पांचवें मील से करीब एक किलोमीटर आगे पहाड़ी से भारी बोल्डर सड़क पर आ गिरे। सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के प्रयास शुरु किए। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद हाईवे से बोल्डरों को हटाकर यातायात शुचारु किया गया। वर्षा काल में कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर दस से अधिक डेंजर जोन बने हुए हैं। पहाड़ी से लगातार बोल्डर गिर रहे हैं। जबकि, कई स्थानों पर हाईवे का हिस्सा भी खोखला हो रहा है। ऐस में आगे वर्षा के दौरान चुनौती और अधिक बढ़ सकती है।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर आया बोल्डर

बिजली के पोल दे रहे हादसों को न्यौता

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के ग्लास हाउस रोड पर पुश्ता ढहने से बिजली के दो पोल झुक गए हैं, जिससे विद्युत तार सड़क से महज कुछ फीट ऊपर लटक रहे हैं। डांग, ऐठाणा और डाकबंगला को जोड़ने वाले इस मार्ग पर हर समय हादसे का खतरा बना हुआ है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग और दोपहिया वाहन गुजरते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, लंबे समय से पुश्ता क्षतिग्रस्त होने के कारण पोल असंतुलित हो गए हैं। कई स्थानों पर तार इतने नीचे आ गए हैं कि लोगों को सिर झुकाकर निकलना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में करंट फैलने की आशंका भी बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि कई बार विद्युत विभाग को मौखिक और लिखित शिकायत देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय निवासी पंकज और मातवर सिंह कठैत समेत अन्य लोगों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते पोल और तारों की मरम्मत नहीं हुई तो बरसात में बड़ा हादसा हो सकता है।

उन्होंने विद्युत विभाग और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। वहीं, विद्युत विभाग के अवर अभियंता यतेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिल गई है। विभागीय टीम को मौके पर भेजकर निरीक्षण कराया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा। (एजेंसी)

अधूरे निर्माण कार्य के कारण लोग झेल रहे परेशानी

कीर्तिनगर : विकासखंड के करीब 20 से अधिक गांवों और पांच लिंक मार्गों को जोड़ने वाला डांग-धारी मोटर मार्ग के अधूरे निर्माण कार्य के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। हॉटमिक्स कार्य से पहले सड़क पर किए गए अधूरे निर्माण, जगह-जगह पड़े मलबे, उखड़ी सड़क, गहरे गड्ढों और फिसलन के कारण बारिश के दौरान वाहन चलाना तो दूर, पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की स्थिति नहीं सुधारी गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर की ओर से डांग-धारी मोटर मार्ग के करीब 15 किमी भाग पर 6.97 करोड़ रुपये की लागत से अप्रैल में हॉटमिक्स का कार्य शुरू हुआ था। यह मार्ग डांग, रणकंडियाल, झिरकोटी, कमांद, खोला, खर्क, कोटी, डुंगरा, थापली, पारकोट, धारकोट और धारपंयाकोटी सहित 20 से अधिक गांवों के हजारों लोगों की आवाजाही का प्रमुख मार्ग है। इसके अलावा पांच संपर्क मार्ग भी इसी सड़क से जुड़े हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्य शुरू होने के बाद सड़क के सबसे अधिक क्षतिग्रस्त हिस्सों को सुधारने के बजाय अपेक्षाकृत ठीक हिस्सों पर ही हॉटमिक्स कर दिया गया। वहीं, जिन स्थानों पर सड़क की हालत सबसे खराब थी, वहां निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। इससे सड़क पहले की तुलना में और अधिक बदहाल हो गई है। स्थानीय निवासी बीरबल सिंह डुंगरियाल ने बताया कि जब ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए तो ठेकेदार ने सड़क के सबसे खराब हिस्से को छोड़कर बाकी स्थानों पर काम कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर मलबा और पत्थर फैले हुए हैं और गहरे गड्ढे बन गए हैं।

स्थानांतरण नीति में बदलाव का शिक्षक संघ ने किया विरोध, आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय शिक्षक संघ ने शिक्षा विभाग की संशोधित स्थानांतरण नीति का विरोध करते हुए इसे शिक्षकों के हितों के खिलाफ बताया है। संघ का कहना है कि नई व्यवस्था के कारण वर्षों से दुर्गम विद्यालयों में सेवाएं दे रहे शिक्षक स्थानांतरण के अवसर से वंचित हो रहे हैं। साथ ही शिक्षक पोर्टल से सुगम-दुर्गम स्थानांतरण का विकल्प हटाए जाने पर भी नाराजगी जताई गई। संघ ने पूर्व की व्यवस्था बहाल करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

शाखा अध्यक्ष दीपक नेगी ने कहा कि शिक्षा विभाग 15 जुलाई से स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है, लेकिन फिलहाल केवल गंभीर बीमारी से ग्रसित शिक्षकों से ही अनुरोध के आधार पर आवेदन मांगे जा रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसे कई शिक्षक हैं, जो वर्षों से दुर्गम विद्यालयों में सेवाएं दे रहे हैं और सुगम विद्यालयों में स्थानांतरण के पात्र हैं, लेकिन उन्हें आवेदन का अवसर नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्षिक स्थानांतरण अधिनियम-2017 की धारा 13 और धारा 17(ख) के तहत स्थानांतरण की सात श्रेणियों को मान्यता दी गई है। इसके बावजूद विभाग केवल पांच श्रेणियों के आधार पर स्थानांतरण प्रक्रिया संचालित कर रहा है, जो अधिनियम की भावना के विपरीत और शिक्षकों के साथ अन्याय है। शिक्षक संघ ने मांग की कि सुगम से दुर्गम तथा दुर्गम से सुगम विद्यालयों में स्थानांतरण के इच्छुक सभी पात्र शिक्षकों से आवेदन लिए जाएं। साथ ही शिक्षक पोर्टल पर पूर्व की भांति दोनों श्रेणियों के स्थानांतरण का विकल्प उपलब्ध कराया जाए। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि सातों श्रेणियों के अनुसार स्थानांतरण प्रक्रिया लागू नहीं की गई तो प्रदेशभर में आंदोलन किया जाएगा।

आबादी में फिर घुसे हाथी, शिव मंदिर की दीवार तोड़ी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गिवईस्रोत क्षेत्र में हाथी की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। शुक्रवार रात हाथियों के एक झुंड ने ग्रास्टनगंज क्षेत्र में जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने एक शिव मंदिर की दीवार तोड़ दी और समीप स्थित बगीचे में घुसकर कई पेड़ों को नुकसान पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 11 बजे हाथियों का झुंड सिद्धबली-सनेह मार्ग से नीचे उतरकर ग्रास्टनगंज क्षेत्र में पहुंच गया। सबसे पहले हाथी शिव मंदिर परिसर में घुस गए, जहां उन्होंने मंदिर की चारदीवारी को क्षतिग्रस्त कर दिया।

ारिसर में रखा अन्य सामान भी हाथियों के उत्पात की चपेट में आ गया। हाथी काफी देर तक मंदिर परिसर में घूमते रहे, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना रहा। इसके बाद हाथियों का झुंड पास स्थित एक बगीचे में पहुंच गया, जहां उन्होंने विभिन्न प्रजातियों के कई पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद हाथियों को वापस जंगल की ओर खदेड़ा।

कोटद्वार के गिवईस्रोत में हाथियों द्वारा तोड़ी गई मंदिर की दीवार

स्थानीय लोगों का कहना है कि सिद्धबली-सनेह मार्ग और उससे सटे क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से हाथियों की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। हाथी अक्सर सिद्धबली के पास पार्किंग क्षेत्र और सड़क पर भी दिखाई दे रहे हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों में भय का माहौल है। लोगों ने वन विभाग से आबादी वाले क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने और हाथियों की आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने की मांग की है।

ऐना हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा

रानीखेत तहसील अंतर्गत ऐना गांव में हुए चर्चित हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी जगत सिंह बोरा निवासी ऐना को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू और लोहे का घन भी बरामद कर लिया गया है। एसएसपी चंद्रशेखर घोडके ने यहां प्रेस वार्ता कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8:11 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि ऐना गांव में एक युवक की हत्या कर दी गई है। साथ ही दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक रानीखेत भुवन चंद्र जोशी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। कमरे के भीतर जितेंद्र सिंह उर्फ सागर पुत्र चंदन सिंह का शव पड़ा मिला,

पानी की किल्लत से ग्रस्त

डेटा सेंटर उन क्षेत्रों में बन रहे हैं, जो पानी की किल्लत से ग्रस्त हैं। भारत डेटा सेंटरों में जल उपयोग को लेकर फिलहाल अनिवार्य पर्यावरण मानक या अनिवार्य रिपोर्टिंग के नियम मौजूद नहीं हैं।

हर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस डेटा सेंटर की स्थापना की खबर को भारत में एक बड़ी उपलब्धि समझा जाता है। इनसे विदेशी निवेश के रूप में आने वाले डॉलर की खबर उस समय और महत्त्वपूर्ण हो गई है, जब देश के सामने भुगतान संतुलन की चुनौती बढ़ रही है। मगर डेटा सेंटर्स के साथ एक अन्य बड़ी समस्या भारत आ रही है। ये वो समस्या है, जिसके कारण डेटा सेंटर्स विभिन्न अमेरिकी राज्यों में बेहद अलोकप्रिय हो गए हैं। इन सेंटर्स के लिए पानी और बिजली की इतनी ज्यादा जरूरत पड़ती है कि उससे भविष्य बिगड़ने की आशंका से कई अमेरिकी राज्यों में ये सेंटर्स बड़े जन प्रतिरोध का कारण बने हुए हैं।

मगर भारत में इनको लेकर जागरूकता की अभी कमी है। जबकि गैर–सरकारी संस्था– काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक 2024–25 में भारत के डेटा सेंटरों ने सालाना 150 अरब लीटर पानी की खपत की। इन सेंटर्स की बढ़ती संख्या के कारण 2030 तक यह आंकड़ा 358 अरब लीटर पहुंचने का अनुमान है। डेटा सेंटर्स का कई उन जिलों में विस्तार हो रहा है, जो पहले से पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फिलहाल डेटा सेंटरों में पानी और बिजली के उपयोग को लेकर अनिवार्य पर्यावरण संरक्षण मानक या अनिवार्य रिपोर्टिंग संबंधी नियम मौजूद नहीं हैं।अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि जैसी अमेरिकी और रिलायंस एवं अडानी ग्रुप जैसी भारतीय कंपनियां डेटा सेंटर्स के निर्माण से जुड़ी हुई हैं। आशंका है कि इनके रसूख को देखते हुए पानी और बिजली से संबंधित सख्त नियम बनाने को लेकर सरकार कतराएगी, जिसका भविष्य पर बहुत खराब असर होगा। गौरतलब है कि क्लोज्ड–लूप लिक्विड कूलिंग, इमर्सन कूलिंग और 45 डिग्री सेल्सियस लिक्विड कूलिंग जैसे सिस्टम आज मौजूद हैं, जिनसे डेटा सेंटर्स में पानी की जरूरत घट सकती है। अतः डेटा सेंटर्स में इनका इस्तेमाल अनिवार्य करने के नियम सरकार को बनाने चाहिए।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है

किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी में किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता,आर्थिक विकास दर अथवातकनीकी उपलब्धियों से नहीं आँकी जाएगी,बल्कि इस बात से भी निर्धारित होगी कि वह जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती के सामने अपने नागरिकों,संसाधनों और विकास की निरंतरता को कितनी प्रभावी ढंग से सुरक्षित रख पाता है।प्राकृतिक आपदाएँ अब अपवाद नहीं रहीं; वे जलवायु परिवर्तन के कारण एक नई वैश्विक वास्तविकता बनती जा रही हैं। इसलिए भारत के लिए यह समय केवल परिस्थितियों का सामना करने का नहीं, बल्कि भविष्य को ध्यान में रखकर ऐसी राष्ट्रीय रणनीति विकसित करने का है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक सुरक्षित,सक्षम और पर्यावरण- अनुकूल भारत प्रदान कर सके।इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी,गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि यह समय की माँग है कि जलवायु परिवर्तन को केवल राज्य व केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय का विषय न मानकर राष्ट्रीय नीति और विकास रणनीति के केंद्र में रखा जाए।सरकार को चाहिए कि आपदा प्रबंधन को केवल राहत और पुनर्वास तक सीमित न रखकर उसे राष्ट्रीय विकास नीति का अनिवार्य अंग बनाया जाए।प्रत्येक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अवसंरचना परियोजना चाहे वह राजमार्ग हो,रेलवे,स्मार्ट सिटी, औद्योगिक गलियारा, बंदरगाह या आवासीय परियोजना उसका जलवायु जोखिम मूल्यांकन अनिवार्य किया जाना चाहिए। यदि विकास परियोजनाएँ संभावित प्राकृतिक जोखिमों को ध्यान में रखकर बनाई जाएँगी, तो भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।यह दृष्टिकोण अल्पकालिक खर्च अवश्य बढ़ाएगा,परंतु दीर्घकाल में राष्ट्र को कहीं अधिक सुरक्षित और आर्थिक रूप से सटीकता से सक्षम बनाएगा। साथियों,वर्तमान मानसून 7 जुलाई 2026 शाम 6 बजे तक ने देश के अनेक राज्यों को प्रभावित किया है। महाराष्ट्र केरल,कर्नाटक,उत्तराखंड,हिमाचल प्रदेश,असम तथा पूर्वोत्तर के कई क्षेत्रों में भारी वर्षा, जलभराव, भूस्खलन और नदी तंत्र के उफान ने जनजीवन को प्रभावित किया है। विशेष रूप से महानगरों में कुछ घंटों की वर्षा भी यातायात,स्वास्थ्य सेवाओं,बिजली आपूर्ति और आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर देती है।वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएँ यह दशार्ती हैं कि अनियोजित निर्माण, वनों की कटाई और बदलते वर्षा पैटर्न ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच असंतुलन का परिणाम भी है।जहाँ पहले कई दिनों तक सामान्य वर्षा होती थी, वहीं अब कुछ ही घंटों में अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इससे शहरी जलनिकासी व्यवस्था,नदी तंत्र और पहाड़ी ढलानों पर अचानक दबाव बढ़ता है। यही कारण है कि विश्व के अनेक देशों में फ्लैश फ्लड,बादल फटना, समुद्री तूफान और भीषण गर्मी जैसी घटनाएँ पहले की तुलना में अधिक तीव्र और अधिक बार दिखाई दे रही हैं। भारत भी इस वैश्विक परिवर्तन से अछूता नहीं है। साथियों,जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के उस वर्ग पर पड़ता है जिसकी आजीविका सीधे प्रकृति पर निर्भर है। भारत की बड़ी आबादी कृषि, मत्स्य पालन, वानिकी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है।

दया की भी एक सीमा होती है न्याय की जीत से मिला घावों को मरहम

कांतिलाल मांडोत

26 जुलाई 2008 की वह शाम भारतीय इतिहास के सबसे दर्दनाक दिनों में हमेशा दर्ज रहेगी। महज 70 मिनट के भीतर गुजरात के अहमदाबाद शहर में 21 सिलसिलेवार बम धमाकों ने सामान्य जीवन को चीख-पुकार और अफरातफरी में बदल दिया था। बाजारों, सड़कों और अस्पतालों तक को निशाना बनाया गया। जिन अस्पतालों में घायल लोगों का इलाज चल रहा था, वहीं भी विस्फोट किए गए ताकि मौत और भय का दायरा और बढ़ सके। इस निर्मम हमले में 56 निर्दोष लोगों की जान चली गई और 246 से अधिक लोग घायल हुए। उस दिन केवल अहमदाबाद ही नहीं, बल्कि पूरा देश गहरे सदमे में था। हर भारतीय के मन में एक ही प्रश्न था कि आखिर निर्दोष लोगों का क्या अपराध था?

उस भयावह घटना को अठारह वर्ष बीत चुके हैं। समय के साथ शहर ने अपने घावों पर मरहम लगाया, जीवन फिर सामान्य हुआ, लेकिन जिन परिवारों ने अपने बेटे, बेटियां, माता-पिता, पति या पत्नी खो दिए, उनके लिए वह दिन कभी बीता ही नहीं। उनके घरों में आज भी 26 जुलाई की तारीख आते ही दर्द की वही लहर लौट आती है। न्यायालय के हालिया निर्णय ने उन परिवारों को यह भरोसा अवश्य दिया है कि न्याय भले देर से मिले, लेकिन यदि साक्ष्य मजबूत हों और कानून अपना काम करे तो अपराध अंततः दंड तक पहुंचता है।

गुजरात हाईकोर्ट ने विशेष अदालत द्वारा 38 दोषियों को दी गई फांसी की सजा को बरकरार रखते हुए और 11 दोषियों की उम्रकैद की सजा को भी कायम रखकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि समाज के विरुद्ध किए गए संगठित और जघन्य अपराधों को कानून अत्यंत गंभीरता से देखता है। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज करते हुए यह भी निर्देश दिया कि मृतकों के परिजनों और घायलों को उचित मुआवजा दिया जाए। यह निर्णय केवल कानूनी प्रक्रिया का अंतिम पड़ाव नहीं है, बल्कि उन परिवारों की वर्षों की प्रतीक्षा का भी उत्तर है, जिन्होंने न्याय की उम्मीद कभी नहीं छोड़ी।

यह मामला केवल सजा का नहीं है, बल्कि न्याय और दया के बीच संतुलन का भी है। किसी भी सभ्य समाज में दया एक महान मानवीय गुण मानी जाती है। दया मनुष्य को संवेदनशील बनाती है, समाज को मानवीय बनाती है और कानून को भी सुधार का अवसर देती है। लेकिन दया का अर्थ यह नहीं कि ऐसे अपराधों को भी उसी दृष्टि से देखा जाए, जिनका उद्देश्य केवल अधिक से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या करना और पूरे समाज में भय फैलाना हो। जब कोई अपराध सुनियोजित तरीके से मासूमों की जान लेने के लिए किया जाता है, तब दया का प्रश्न स्वाभाविक रूप से सीमित हो जाता है।

न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल अपराधी को दंड देना नहीं होता, बल्कि समाज में कानून के प्रति विश्वास बनाए रखना भी होता है। यदि ऐसे मामलों में अपराध की गंभीरता के अनुरूप दंड नहीं मिले, तो पीड़ित परिवारों के मन में यह भावना जन्म ले सकती है कि उनकी पीड़ा का उचित मूल्यांकन नहीं हुआ। न्याय तभी सार्थक माना जाता है जब वह पीड़ितों को यह विश्वास दिला सके कि राज्य और कानून उनके साथ खड़े हैं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि न्याय प्रतिशोध नहीं होता। अदालतें भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि साक्ष्यों, गवाहों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर निर्णय देती हैं। अहमदाबाद विस्फोट मामले में वर्षों तक जांच चली, हजारों दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, सैकड़ों गवाहों के बयान दर्ज हुए और लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। उसके बाद उच्च न्यायालय ने भी विस्तृत सुनवाई के बाद उसी निर्णय को सही माना। इसका अर्थ है कि फैसला किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि विधिक परीक्षण की लंबी प्रक्रिया से गुजरकर सामने आया है।

आज जब पीड़ित परिवार इस निर्णय पर संतोष व्यक्त कर रहे हैं तो उनके मन में बदले की भावना नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि उनके अपनों की मौत को भुलाया नहीं गया। जिन माता-पिता ने अपने जवान बेटे खोए, जिन बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया, जिन परिवारों की खुशियां हमेशा के लिए समाप्त हो गईं, उनके लिए कोई भी फैसला उनके प्रियजनों को वापस नहीं ला सकता। फिर भी न्याय का निर्णय उनके घावों पर मरहम रखने का कार्य अवश्य करता है।

समाज को भी इस निर्णय से एक महत्वपूर्ण संदेश मिलता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की हिंसा, आतंक और निर्दोष लोगों की हत्या का कोई स्थान नहीं हो सकता। विचारों का मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन हिंसा कभी समाधान नहीं बन सकती। जब अपराध का उद्देश्य पूरे समाज को भयभीत करना हो, तब कानून का कठोर होना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। यही कठोरता भविष्य में ऐसे अपराधों के विरुद्ध एक स्पष्ट चेतावनी का कार्य करती है।

यह भी उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने केवल दोषियों की सजा को बरकरार नहीं रखा, बल्कि मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने का निर्देश देकर पीड़ितों के अधिकारों को भी महत्व दिया है। आर्थिक सहायता किसी जीवन की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन यह राज्य की संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का प्रतीक अवश्य होती है। न्याय केवल अपराधी को दंड देने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास और सम्मान की भी चिंता करनी चाहिए।

समय के साथ समाज अक्सर बड़ी घटनाओं को भूलने लगता है, लेकिन इतिहास हमें याद दिलाता है कि ऐसी त्रासदियां केवल आंकड़े नहीं होतीं। प्रत्येक मृतक के पीछे एक परिवार, एक सपना और एक अधूरी कहानी होती है। इसलिए जब भी ऐसे मामलों में न्यायिक निर्णय आते हैं, हमें केवल दोषियों की सजा पर नहीं, बल्कि उन निर्दोष लोगों की स्मृति पर भी विचार करना चाहिए जिन्होंने बिना किसी गलती के अपना जीवन खो दिया। दया और न्याय दोनों किसी भी सभ्य समाज के आवश्यक स्तंभ हैं। लेकिन जब निर्दोष जीवनों को योजनाबद्ध ढंग से समाप्त करने का प्रयास किया जाए, तब न्याय का पलड़ा भारी होना ही समाज के हित में होता है। असीमित दया कभी-कभी न्याय के उद्देश्य को कमजोर कर सकती है। इसलिए कहा जाता है कि दया वहीं तक उचित है, जहां तक वह निदोर्षों के अधिकारों और समाज की सुरक्षा को प्रभावित न करे। जब अपराध मानवता के विरुद्ध हो, तब न्याय की दृढ़ता ही समाज में विश्वास बनाए रखती है।

अहमदाबाद की वह काली शाम देश कभी नहीं भूल सकता। वह केवल एक शहर पर हमला नहीं था, बल्कि भारत की शांति, सामाजिक विश्वास और मानवीय मूल्यों पर हमला था। आज उच्च न्यायालय के निर्णय ने यह संदेश दिया है कि कानून की गति भले धीमी हो, लेकिन वह अंततः अपने निष्कर्ष तक पहुंचती है। यह फैसला उन 56 मासूम लोगों की स्मृति को श्रद्धांजलि है, उन सैकड़ों घायलों के साहस का सम्मान है और उन परिवारों के धैर्य को नमन है जिन्होंने वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा की।

न्याय का वास्तविक अर्थ यही है कि पीड़ितों की पीड़ा को सुना जाए, अपराध की गंभीरता को समझा जाए और कानून निष्पक्ष होकर अपना दायित्व निभाए। दया मनुष्य का सर्वोच्च गुण है, परंतु जब वह निदोर्षों के अधिकारों पर भारी पड़ने लगे, तब न्याय को दृढ़ होना ही पड़ता है। अहमदाबाद विस्फोट मामले का यह निर्णय उसी सिद्धांत की पुनर्पुष्टि करता है कि दया की भी एक सीमा होती है और उस सीमा के आगे केवल न्याय ही समाज को सुरक्षित और संतुलित रख सकता है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन से होगी हरित रेल क्रांति का आगाज

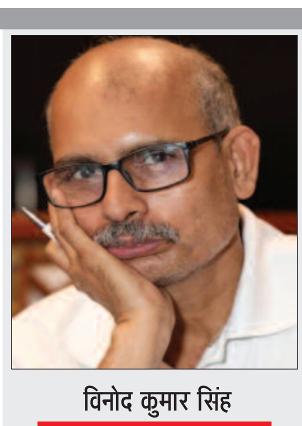

विनोद कुमार सिंह

हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना के परीक्षण हरियाणा के जींद- सोनीपत रेलखंड से आरम्भ हुए थे। अब दिल्ली- जींद रेलखंड तक परीक्षण का सफल विस्तार इस तकनीक की परिपक्वता और भारतीय रेल की तैयारी का प्रमाण माना जा रहा है।परीक्षण के दौरान इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस,ट्रैक्शन प्रणाली,ऑसिलेशन, सुरक्षा मानकों तथा परिचालन स्थिरता की विस्तृत जाँच की गई।

हरियाणा के जींद-दिल्ली रेलखंड से स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भर तकनीक और विकसित भारत की तेज रफ्तार दोड़ने को है तैयार...

भारतीय रेल केवल देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन तंत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति की जीवनरेखा भी है।लगभग डेढ़ शताब्दी पहले भाप के इंजनों से शुरू हुई इसकी यात्रा आज अत्याधुनिक तकनीकों के नए युग में प्रवेश कर चुकी है।वंदे भारत, अमृत भारत,समर्पित माल गलियारे,'कवच' जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली और व्यापक विद्युतीकरण के बाद अब भारतीय रेल हाइड्रोजन फ्यूल-सेल तकनीक के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर खड़ी है।

विगत दिनों दिल्ली-जींद रेलखंड पर स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का सफल परीक्षण इस बात का संकेत है कि भारत हरित,आत्मनिर्भर और भविष्य उन्मुख रेल व्यवस्था की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार भारतीय रेल की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ अगले सप्ताह प्रस्तावित है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा से इसे हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित कर सकते हैं।यद्यपि कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा अभी शेष है, लेकिन सफल परीक्षण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय रेल हरित ऊर्जा आधारित परिवहन के नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार है।यह केवल एक नई ट्रेन का शुभारंभ नहीं होगा,बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की विकास यात्रा में एक नए अध्याय का उद्घोष भी होगा।आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की चुनौती से जूझ रही है।परिवहन क्षेत्र को प्रदूषण के प्रमुख स्त्रोतों में माना जाता है।ऐसे समय में स्वच्छ ऊर्जा आधारित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं,बल्कि आर्थिक और रणनीतिक आवश्यकता भी बन चुकी है।भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है।इस लक्ष्य की प्राप्ति में भारतीय रेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।यही कारण है कि रेलवे अब पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की ओर तेजी से बढ़ रही है।भारतीय रेल का नेटवर्क लगभग 68,500 रूट किलोमीटर में फैला हुआ है।प्रतिदिन लगभग 2.3 करोड़ यात्री तथा 30 लाख टन से अधिक माल का परिवहन इसी नेटवर्क के माध्यम से होता है। पिछले कुछ वर्षों में रेलवे ने अपने अधिकांश ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण कर लिया है,फिर भी अनेक ऐसे रेलखंड हैं ,जहाँ ओवरहेड विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक अथवा भौगोलिक दृष्टि से व्यवहारिक नहीं है।ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोजन आधारित ट्रेनें डीजल इंजनों का स्वच्छ,टिकाऊ और प्रभावी विकल्प बन सकती हैं।

हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना के परीक्षण हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड से आरम्भ हुए थे। अब दिल्ली-जींद रेलखंड तक परीक्षण का सफल विस्तार इस तकनीक की परिपक्वता और भारतीय रेल की तैयारी का प्रमाण माना जा रहा है।परीक्षण के दौरान इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस,ट्रैक्शन प्रणाली,ऑसिलेशन,सुरक्षा मानकों तथा परिचालन स्थिरता की विस्तृत जाँच की गई।किसी भी नई रेल तकनीक को नियमित संचालन में शामिल करने से पहले ऐसे परीक्षण

अनिवार्य होते हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन की विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।इन परीक्षणों की सफलता भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की तकनीकी दक्षता का भी परिचायक है।भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में किया गया है, जबकि हरियाणा के जींद में हाइड्रोजन उत्पादन तथा री-फ्यूलिंग की आधारभूत संरचना विकसित की गई है।यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल उन्नत तकनीकों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उनका स्वदेशी निमार्ता बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा इस परियोजना में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देती है।हाइड्रोजन ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसका पर्यावरण-अनुकूल होना है।इसमें पारंपरिक डीजल इंजन नहीं होता। फ्यूल-सेल में हाइड्रोजन और वातावरण की ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक अभिक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे ट्रैक्शन मोटर संचालित होती है।इस प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड,धुआँ अथवा अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता। उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है।यही कारण है कि हाइड्रोजन ट्रेन को भविष्य के सबसे स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन साधनों में शामिल किया जा रहा है।

यदि हाइड्रोजन का उत्पादन सौर, पवन अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से किया जाए तो उसे 'ग्रीन हाइड्रोजन' कहा जाता है। भारत सरकार का राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन इसी सोच का परिणाम है।भारतीय रेल में हाइड्रोजन तकनीक का प्रयोग इस मिशन को व्यवहारिक आधार प्रदान करता है और देश को स्वच्छ ऊर्जा आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने का मजबूत माध्यम बन सकता है।विश्व स्तर पर अभी बहुत कम देशों ने हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक को व्यावहारिक रूप से अपनाया है।जर्मनी ने इस क्षेत्र में अग्रणी पहल की,जबकि जापान, चीन, फ्रांस और इटली सहित कुछ अन्य देश भी इस तकनीक के विकास एवं परीक्षण पर कार्य कर रहे हैं।ऐसे देशों की श्रेणी में भारत का शामिल होना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक हरित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उसकी बढ़ती क्षमता का भी प्रमाण है।यदि यह परियोजना सफलतापूर्वक व्यावसायिक संचालन तक पहुँचती है,तो भारत एशिया में हाइड्रोजन रेल तकनीक का अग्रणी देश बनने की दिशा में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर सकता है।आर्थिक दृष्टि से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है।भारत प्रतिवर्ष कच्चे तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर भारी विदेशी मुद्रा व्यय करता है। डीजल आधारित रेल संचालन में कमी आने से ऊर्जा सुरक्षा सुदृढ़ होगी और आयात बिल पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।इसके साथ ही इलेक्ट्रोलाइजर,फ्यूल- सेल,उच्च-दाब हाइड्रोजन टैंक, विशेष वाल्व,पाइपलाइन तथा अन्य अत्याधुनिक उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे उच्च तकनीकी विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार होगा और प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

हालाँकि इस उपलब्धि का मूल्यांकन केवल उत्साह के आधार पर नहीं, बल्कि यथार्थ की कसौटी पर भी किया जाना चाहिए।वर्तमान में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन अपेक्षाकृत महँगा है।इसके सुरक्षित उत्पादन, संपीड़न, भंडारण और परिवहन के लिए अत्याधुनिक अवसंरचना की आवश्यकता होती है।फ्यूल-सेल प्रणाली की लागत भी अभी पारंपरिक डीजल तकनीक की तुलना में अधिक है।प्रशिक्षित तकनीकी मानव संसाधन, विशेष रखरखाव प्रणाली और देशभर में री-फ्यूलिंग स्टेशनों का सुदृढ़ नेटवर्क विकसित करना भी इस परियोजना की सफलता के लिए अनिवार्य होगा।यहाँएक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि हाइड्रोजन वास्तव में कितनी 'हरित' होगी।यदि उसका उत्पादन कोयला अथवा प्राकृतिक गैस आधारित प्रक्रियाओं से किया जाएगा, तो पर्यावरणीय लाभ सीमित रह जाएंगे।वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी,जब ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सौर, पवन,जल अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से बड़े पैमाने पर और प्रतिस्पर्धी लागत पर होने लगे।इसलिए हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना की सफलता राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की प्रगति से भी सीधे जुड़ी हुई है।इतिहास बताता है कि प्रत्येक नई तकनीक प्रारम्भ में महँगी और सीमित होती है।सौर ऊर्जा,एलईडी प्रकाश व्यवस्था,मोबाइल संचार और इलेक्ट्रिक वाहन भी कभी अत्यधिक महँगे माने जाते थे,किंतु अनुसंधान,नवाचार और बड़े पैमाने पर उत्पादन के कारण उनकी लागत में उल्लेखनीय कमी आई। यही संभावना हाइड्रोजन तकनीक के साथ भी दिखाई देती है।यदि भारत अनुसंधान,स्वदेशी विनिर्माण और अवसंरचना विकास में निरंतर निवेश करता रहा,तो आने वाले वर्षों में इसकी लागत भी व्यवहारिक स्तर तक लाई जा सकेगी।

भारतीय रेल का लक्ष्य केवल नई ट्रेन चलाना नहीं,बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुरक्षित, स्वच्छ, ऊर्जा-कुशल और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था विकसित करना है।वंदे भारत,अमृत भारत, 'कवच',समर्पित माल गलियारे, स्टेशन पुनर्विकास और व्यापक विद्युतीकरण जैसे परिवर्तन उसी दीर्घकालिक दृष्टि का हिस्सा हैं। हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन की अगली महत्वपूर्ण कड़ी है,जो यह दशार्ती है कि भारतीय रेल आने वाले दशकों की चुनौतियों को ध्यान में रखकर अपनी विकास रणनीति तैयार कर रही है।दिल्ली-जींद रेलखंड पर सफल परीक्षण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वास का भी प्रतीक है जिसके बल पर भारत अंतरिक्ष,डिजिटल भुगतान,वैक्सीन निर्माण,रक्षा उत्पादन, सेमीकंडक्टर,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में वैश्विक पहचान बना रहा है।हाइड्रोजन रेल तकनीक उसी परिवर्तनकारी यात्रा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।यह भारत की वैज्ञानिक क्षमता, इंजीनियरिंग कौशल और स्वदेशी अनुसंधान की बढ़ती शक्ति को भी रेखांकित करती है।देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन की शुभारम्भ भारतीय रेल के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण होगा।यह संदेश केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए होगा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं तथा भारत भविष्य की स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।नियमित व्यावसायिक संचालन से पहले अभी कुछ तकनीकी परीक्षण, सुरक्षा स्वीकृतियाँ और परिचालन संबंधी औपचारिकताएँ पूरी होनी शेष हैं।इसलिए उत्साह के साथ धैर्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी आवश्यक है।किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि दिल्ली-जींद रेलखंड पर हुए सफल परीक्षण ने यह विश्वास मजबूत कर दिया है कि भारत हरित रेल क्रांति की दिशा में निर्णायक कदम उठा चुका है।

हाइड्रोजन ट्रेन केवल पटरियों पर दौड़ने वाली एक नई रेल नहीं होगी, बल्कि विकसित भारत की उस नई सोच का सशक्त प्रतीक बनेगी जिसमें विकास और पर्यावरण परस्पर विरोधी नहीं,बल्कि एक- दूसरे के पूरक हैं।यदि अगले सप्ताह इसका प्रस्तावित शुभारंभ होता है, तो भारतीय रेल एक ऐसे नए युग में प्रवेश करेगी जहाँ स्वदेशी तकनीक, हरित ऊर्जा और आत्मनिर्भरता विकास की नई गति निर्धारित करेंगे। विज्ञान,नवाचार और सतत विकास के समन्वय से भारतीय रेल विश्व के सबसे आधुनिक,सबसे हरित और सबसे विश्वसनीय रेल नेटवर्कों में अग्रणी बनने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ा चुकी है।यही इस ऐतिहासिक ट्रायल का सबसे बड़ा संदेश,सबसे बड़ी उपलब्धि और विकसित भारत के उज्ज्वल भविष्य का सबसे सशक्त व शुभ संकेत है।

संक्षिप्त समाचार

18 वर्ष के युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराएं

गौचर। एक जुलाई को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए उन्हें संबंधित बीएलओ से फार्म छह भरना होगा। बीएलओ बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि गौचर के आदर्श विद्यालय में फार्म भरे जा रहे हैं। युवाओं को आयु और निवास प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज संलग्न करने होंगे। यदि किसी मतदाता का नाम, पता या फोटो में बदलाव करना है तो उन्हें फार्म आठ भरना होगा। इसके लिए भी आवश्यक दस्तावेज जरूरी हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने यह व्यवस्था सुनिश्चित की है ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से न छूटे।

मेहलचौरी पुल की भार वहन क्षमता बरकरार

गैरसैंण। टीसीएस टेक्निकल कंसल्टेंट सर्विस की ओर से कराए गए मेहलचौरी पुल की भार वहन क्षमता का परीक्षण संतोषजनक रहा है। पुल की भार वहन क्षमता पूर्व की भांति 16.2 टन है। एनएच 109 पर स्थित यह रामगंगा पुल वर्ष 1962–63 में निर्मित हुआ था। पुल से लोहे की प्लेटों के खिसकने और डामर उखड़ने से वाहनों की आवाजाही में परेशानी हो रही थी। एनएच के जूनियर इंजीनियर प्रदीप नेगी ने बताया कि विशेषज्ञों की जांच रिपोर्ट मिल गई है। रिपोर्ट में पुल के बियरिंग में ग्रीसिंग करने, प्लेटों पर वेल्डिंग करने और पेंटिंग करने के सुझाव दिए गए हैं। मौसम अनुकूल होते ही उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुल की मरम्मत की जाएगी। पुल की रिपोर्ट सामान्य आने से यात्रियों और स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है।

चंडिका देवी की बन्याथ यात्रा की रूपरेखा की तय

पोखरी (चमोली)। मां चंडिका देवी चमेठी–पोखरी की बन्याथ (देवरा) यात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मंदिर समिति और देवरा यात्रा समिति जल्द यात्रा की रूपरेखा तय करेगी। चंडिका देवी की देवरा यात्रा नवरात्रों में शुरू होगी। इसके बाद देवी पूरे क्षेत्र में भ्रमण कर भक्तों को आशीर्वाद देंगी। इस ऐतिहासिक व धार्मिक यात्रा के सफल आयोजन के लिए मंदिर समिति व यात्रा समिति की ओर से तैयारियां चल रही हैं। यात्रा के लिए ब्लॉक सभागार पोखरी में मंदिर समिति ने स्थानीय लोगों के साथ बैठक की। इस दौरान यात्रा को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में ब्रह्मगुरु दीपक कुंवर के नेतृत्व में ही यात्रा संचालित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही तय किया गया कि जल्द मंदिर समिति और देवरा यात्रा समिति के पदाधिकारी आपसी सहमति से यात्रा की रूपरेखा, कार्यक्रम आदि निर्धारित करेंगे। बैठक में देवरा यात्रा समिति के अध्यक्ष जगदीश सिंह रावत, मंदिर समिति अध्यक्ष बीरेंद्र राणा, महिधर पंत, कुंवर सिंह चौधरी, राघवानंद डंगवाल, हनुमंत सिंह असवाल, माहेश्वरी देवी, लक्ष्मी देवी आदि मौजूद रहे।

माता–पिता का बच्चों से नियमित संवाद करना जरूरी

नरेंद्रनगर (टिहरी)। माउंट कार्मल क्रिश्चियन एकेडमी में शिक्षक अभिभावक संघ (पीटीए) की बैठक आयोजित हुई, जिसमें विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वांगीण विकास को लेकर चर्चा की गई। बैठक में बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास के लिए शिक्षक–अभिभावकों के संयुक्त प्रयासों पर सहमति बनी। प्रधानाचार्य सुनील सिंह ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास में शिक्षक और अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से दूर रखने, नियमित संवाद बनाए रखने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने का आग्रह किया। बैठक में शिक्षकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों के विकास को लेकर सुझाव दिए। अभिभावकों ने विद्यालय के साथ बेहतर समन्वय बनाकर बच्चों के भविष्य को संवारने में सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में विनोद सिंह, हेमा पंत, आशा उनियाल, सोहन राणा, धनमोहन सिंह गुसाईं, मनीष यादव, आशीष सकलानी और धनवीर रावत आदि मौजूद रहे।

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने संदिग्ध ठिकानों पर दी दबिश

रुद्रप्रयाग। जनपद में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी की मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर के निर्देश पर जिले के थाना और कोतवाली क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने संदिग्ध स्थानों पर जांच की। पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें अवैध शराब की बिक्री, तस्करी, परिवहन और भंडारण की शिकायतों वाले क्षेत्रों में लगातार दबिश दे रही हैं। मुख्य मार्गों, ढाबों, होटलों और अन्य संभावित स्थानों पर भी जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध वाहनों की तलाशी लेने के लिए विभिन्न स्थानों पर नाकेबंदी की गई। पुलिस के अनुसार अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चार प्रवक्ताओं के पद रिक्त, छात्रों की पढ़ाई प्रभावित

बसुकेदार। तहसील मुख्यालय स्थित राजकीय इंटर कॉलेज बसुकेदार में लंबे समय से प्रवक्ताओं के रिक्त पदों के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

वर्ष 1946 में स्थापित इस विद्यालय में वर्तमान में करीब 282 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। यहां अर्थशास्त्र, हिंदी, रसायन विज्ञान और इस साल अप्रैल से अंग्रेजी प्रवक्ता का पद रिक्त होने से नियमित पढ़ाई नहीं हो पा रही है। अभिभावकों का कहना है कि रिक्त पदों को भरने के लिए कई बार शिक्षा विभाग को पत्र भेजे गए लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अभाव के बावजूद इस विद्यालय से कई प्रतिभाएं निकली हैं। हाल ही में छात्र अतुल ने आईआईटी परीक्षा उत्तीर्ण की है। अभिभावक संघ की अध्यक्ष रजनी भंडारी, एसएमसी अध्यक्ष भानु भट्ट, पूर्व प्रधान मोहन भंडारी, सदस्य रीना बुटोला ने चेतावनी दी कि यदि इस वर्ष भी रिक्त पद नहीं भरे गए तो जल्द आंदोलन करेंगे। उधर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक अजय कुमार चौधरी ने बताया कि रिक्त पदों की सूचना निदेशालय को भेज दी गई है। नियुक्ति मिलने के बाद संबंधित विद्यालय में प्रवक्ताओं की तैनाती कर दी जाएगी।

बाघ एक्सप्रेस 12 घंटा देरी से काठगोदाम पहुंची

हल्द्वानी। बाघ एक्सप्रेस शुक्रवार को अपने निर्धारित समय से 12 घंटे से भी अधिक देरी से काठगोदाम रेलवे स्टेशन पहुंची। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रात काठगोदाम से हावड़ा प्रस्थान करने वाली एक्सप्रेस भी अपने निर्धारित समय 9.50 बजे के इतर रात 11:00 बजे के बाद रवाना हुई। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के गोंडा में रेलवे लाइन के विस्तार के लिए किए जा रहे कार्य के चलते ट्रेन लेट हुई। पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि जल्द लाइन का काम पूरा होने के बाद लंबी दूरी के यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

पहाड़ी दरकी, भारी मलबे से मार्ग बंद, स्कूल का गेट क्षतिग्रस्त

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लगातार हो रही बारिश के बीच शनिवार सुबह सतपुली-देवप्रयाग मोटर मार्ग पर राजकीय इंटर कॉलेज के समीप पहाड़ी का बड़ा हिस्सा दरक गया। भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर सड़क पर आ गिरने से मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। मलबे की चपेट में आने से इंटर कॉलेज का मुख्य गेट क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना शनिवार सुबह की है। पहले पहाड़ी से हल्के बोल्डर गिर रहे थे। लेकिन, देखते ही देखते पहाड़ी से भारी बोल्डर सड़क पर आ गया। जिससे पूरा मार्ग मलबे और विशाल बोल्डरों से पट गया। इसके बाद सतपुली-देवप्रयाग मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाने का कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इंटर कॉलेज के समीप यह स्थान लंबे समय से भूस्खलन की दृष्टि से अति संवेदनशील बना हुआ है। वर्षाकाल में लगभग हर साल यहां पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरते हैं, जिससे मार्ग बाधित होने के साथ ही आसपास की दुकानों और भवनों को भी नुकसान पहुंचता है। उनका आरोप है कि कई बार प्रशासन और संबंधित विभागों को इस संबंध में अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी सुरक्षा उपाय नहीं किए गए। लोगों ने संवेदनशील पहाड़ी के ट्रीटमेंट और सुरक्षा दीवार के निर्माण की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

तीन साल बाद भी नहीं मिला मुआवजा

आदिबदरी। तहसील के ताल–कांसुवा राजजात मार्ग के निर्माण के लिए काटे गए खेतों का मुआवजा न मिलने से भूस्वामियों में आक्रोश है। सात किलोमीटर ताल–कांसुवा मोटर मार्ग बने तीन साल से अधिक हो गए लेकिन अभी तक ग्रामीणों को इसका मुआवजा नहीं दिया गया है।

लोक निर्माण विभाग गौचर डिवीजन की ओर से निर्मित यह मार्ग हरगांव, मैरोली, मंडल गांव, माधो घाट और कांसुवा से गुजरता है। इन गांवों के अधिकांश काश्तकारों को अभी तक मार्ग के लिए ही गई जमीन का मुआवजा नहीं मिल पाया है। कांसुवा के क्षेत्र पंचायत सदस्य भूपेंद्र कुंवर और प्रताप सिंह कुंवर ने बताया कि मुआवजे के संबंध में कई बार विभाग को पत्र भी लिख चुके हैं। वहीं हरगांव के दिलवर कुंवर और मंडल गांव के त्रिलोक कुंवर ने भी मुआवजे के भुगतान न होने की बात कही। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि शीघ्र मुआवजा नहीं मिला तो वे प्रदर्शन करेंगे। वहीं लोनिवि गौचर के ईई सुनील कुमार ने बताया कि कई भूमिधरों को मुआवजा दे दिया गया है। छूटे हुए भूमिधरों को भी जल्द मुआवजा दिया जाएगा।

आलेख का जेईई एडवांस में हुआ चयन

गोपेश्वर। श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, गोपेश्वर के पूर्व छात्र आलेख परमार का चयन आईआईटी मुंबई में हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है। आलेख ने इसी वर्ष 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद एनटीए की ओर से आयोजित जेईई मेन्स और जेईई एडवांस पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक पास की। खास बात यह है कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के यह सफलता हासिल की। शनिवार को विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आलेख और उनके परिजनों का सम्मान किया गया। आलेख ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों और परिवार के सहयोग को दिया। प्रधानाचार्य दान सिंह बिष्ट ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

आईएचएमएस में किया गया 225 नवीन छात्र-छात्राओं का स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से कालेज में इस वर्ष प्रवेश लेने वाले 225 नवीन छात्र-छात्राओं के लिए पांच दिवसीय स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उन्हें कालेज की शिक्षा व्यवस्थाओं और नियमों की जानकारी दी गई।

बलभद्रपुर बीईएल रोड स्थित कालेज परिसर में आयोजित सम्मान समरोह के पहले दिन सुबह सभी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। इसके बाद उन्हें कालेज के सभागार में कालेज और कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। समारोह के दूसरे और तीसरे दिन छात्र-छात्राओं को कालेज के सभी बीबीए, बीसीए, बीएससी-आईटी और बीएचएम कोर्स की जानकारी दी गई। समारोह के चौथे दिन विभिन्न इन डोर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी रुचि के अनुसार खेल में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। अंतिम दिन छात्र-छात्राओं से बीसीए, बीएससी आईटी, बीबीए और बीएचएम कोर्स के प्रध्यापकों का परिचय कराया गया। शिक्षकों ने छात्रों को सेमेस्टर वाइज कोर्स की जानकारी देते हुए, मेहनत और लगन के साथ शिक्षा लेते हुए अपने सपनों को साकार करने की शुभकामनाएं दीं। कालेज के सभागार में आयोजित समारोह में कालेज के डायरेक्टर एडमिन ले. कर्नल बीएस गुसाईं ने छात्रों को कालेज के नियम और शैक्षणिक माहौल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों से आईएचएमएस कालेज सफलता पूर्वक संचालित हो रहा है। कॉलेज से शिक्षा लेकर निकले सैकड़ों छात्र आज देश और विदेश में अव्वल श्रेणी के विभिन्न संस्थानों में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कालेज प्रबंधन की ओर से सभी आधुनिक सुविधाएं जुटाई गई हैं। कॉलेज को नेक का ग्रेड मिलने पर देश की जानी मानी कंपनियां कैंपस सलेक्शन के लिए आईएचएमएस का रुख कर रही हैं। जिसका लाभ छात्रों को प्लेसमेंट के रुप में मिल रहा है। इस अवसर पर कॉलेज के कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी, प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा, जन संपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष अनुराग सेमवाल, मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष सुरेंद्र जगवान, होटल मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष वेद प्रकाश राठौर, एडमिशन इंचार्ज विजय पंत, नवीन रावत, श्रुति नेगी समेत सभी प्राध्यापक और कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सोनिया कुमारी बिष्ट ने किया।

स्यानाचट्टी में एनएच विभाग ने तैयार किया बाईपास मार्ग, फंसे वाहनों की आवाजाही शुरू

बड़कोट। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग–134 पर स्यानाचट्टी के समीप भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हिस्से पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने युद्धस्तर पर कार्य करते हुए वैकल्पिक डायवर्जन (बाईपास) मार्ग तैयार कर वाहनों की आवाजाही शुरू करवा दी है। इससे पिछले तीन दिनों से यमुनोत्री धाम की ओर फंसे श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिली है।

भूस्खलन के कारण हाईवे के बाधित होने के बाद जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर एनएच विभाग ने तेजी से काम शुरू किया। विभागीय मशीनरी और श्रमिकों की मदद से क्षतिग्रस्त हिस्से के पास वैकल्पिक मार्ग तैयार किया गया, जिसके बाद अब विभागीय वाहनों के साथ ही फंसे हुए वाहनों को भी बड़कोट की ओर भेजा जा रहा है।

एनएच खंड के अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने बताया कि डायवर्जन मार्ग तैयार कर दिया गया है और इसके माध्यम से वाहनों का संचालन शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जिला पुलिस प्रशासन को भी अवगत करा दिया गया है, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा सके। हाईवे बंद होने से यमुनोत्री की ओर बड़ी संख्या में वाहन और श्रद्धालु फंसे हुए थे। मार्ग खुलने के बाद चारधाम यात्रा प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। प्रशासन और एनएच विभाग की ओर से मुख्य मार्ग को भी जल्द सुरक्षित बनाकर यातायात के लिए पूरी तरह बहाल करने का प्रयास जारी है।

दो स्कूलों में असामाजिक तत्वों ने की तोड़फोड़

बसुकेदार। तहसील क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पाटियूं और राजकीय प्राथमिक विद्यालय जोला बड़ेथ में शुक्रवार देर रात असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ कर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने जूनियर हाईस्कूल के कार्यालय में रखे दो स्मार्ट टीवी, प्रिंटर और सिंटेक्स टैंक समेत अन्य सरकारी सामग्री को क्षतिग्रस्त कर दिया। विद्यालय प्रशासन की शिकायत पर शनिवार को पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

जूनियर हाईस्कूल के नए भवन निर्माण कार्य के कारण जूनियर हाईस्कूल की कक्षाएं और कार्यालय फिलहाल प्राथमिक विद्यालय परिसर से ही संचालित हो रहे थे। जूनियर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुमति रावत ने बताया कि शुक्रवार को अवकाश था। शनिवार सुबह जब वे स्कूल पहुंचीं तब घटना का पता चला। प्राथमिक विद्यालय के कार्यालय की खिड़कियां भी टूटी मिलीं। वहीं घटना पर आक्रोश जताते हुए जोला की प्रधान दीपा नेगी और बड़ेथ तालजामण के प्रधान दीनानाथ ने बताया कि पिछले साल भी प्राथमिक विद्यालय का दरवाजा तोड़कर नुकसान पहुंचाया गया था। सरकारी संपत्ति जनता के पैसे से बनती है। इसे नुकसान पहुंचाना समाज पर प्रहार है। जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन और पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दो स्कूलों में तोड़फोड़, स्मार्ट टीवी समेत सरकारी संपत्ति को पहुंचाया नुकसान

रूद्रप्रयाग। तहसील क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पाटियूं और राजकीय प्राथमिक विद्यालय जोला बड़ेथ में शुक्रवार देर रात तोड़फोड़ कर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। विद्यालय ने घटना की शिकायत पुलिस को दी है। वहीं शिक्षा विभाग को भी सूचित किया है।

जानकारी के अनुसार जूनियर हाईस्कूल का भवन नए सिरे से बनने कारण इसकी कक्षाएं प्राथमिक विद्यालय में संचालित हो रही थी। वहीं प्राथमिक विद्यालय में ही जूनियर हाईस्कूल का कार्यालय भी है। शुक्रवार देर रात अज्ञात तत्वों ने विद्यालय की खिड़कियां तोड़कर अंदर प्रवेश किया और जूनियर विद्यालय के कार्यालय में रखे दो स्मार्ट टीवी, प्रिंटर, सिंटेक्स टैंक समेत अन्य सरकारी सामग्री को क्षतिग्रस्त कर दिया।

कार्यालय में रखी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया

वहीं प्राथमिक विद्यालय के कार्यालय की भी खिड़कियां तोड़ी गई है। घटना की सूचना मिलने पर विद्यालय प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया। साथ ही पुलिस में भी घटना की शिकायत दी। जिसके के बाद शनिवार को पुलिस ने मौके पर स्थलीय निरीक्षण किया और पूछताछ की।

15 संकुलों के सरकारी स्कूलों में बांटी कॉपियां

रुद्रप्रयाग/अगस्त्यमुनि। सरकारी विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को निशुल्क कॉपियां उपलब्ध कराने के अभियान के तहत कक्षा एक से 12 तक के विद्यार्थियों को कॉपियों का वितरण किया जा रहा है। अब तक जिले के 27 में से 15 संकुलों में इनका वितरण पूरा कर लिया गया है।

खंड शिक्षा अधिकारी अगस्त्यमुनि तनुजा देवराड़ी ने बताया कि जिले के लिए करीब एक लाख 33 हजार कॉपियां उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें से अब तक 60 हजार कॉपियां छात्र–छात्राओं को वितरित की जा चुकी हैं। मौसम अनुकूल होते ही शेष 12 संकुलों में भी वितरण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार की निर्धारित व्यवस्था के अनुसार कक्षा एक से और दो के विद्यार्थियों को एक–एक कॉपी, कक्षा तीन से पांच तक के विद्यार्थियों को तीन–तीन कॉपियां व कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थियों को पांच–पांच कॉपियां निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

भूस्खलन से 48 घंटे बंद रहा बड़ेथी–बनचौरा–बदरीगाड मोटर मार्ग

नैनबाग (टिहरी)। क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बड़ेथी–बनचौरा–बद्रीगाड मोटर मार्ग पर भारी भूस्खलन होने से नौ जुलाई को दोपहर एक बजे भारी भूस्खलन के कारणसड़क पूरी तरह बंद हो गई जिससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को घंटों तक परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद 10 जुलाई को मौके पर जेसीबी मशीन पहुंची और मलबा हटाने का कार्य शुरू किया गया। लगातार हो रही बारिश के बावजूद पूरी रात राहत कार्य जारी रहा। जेसीबी ऑपरेटर ने जोखिम के बीच सड़क से मलबा हटाने के साथ पहाड़ी की ओर बैक कटिंग का कार्य किया, जिसके बाद शनिवार सुबह करीब 48 घंटे बाद सुबह 11 बजे मार्ग पर यातायात बहाल किया जा सका। सड़क खुलने के बाद क्षेत्रवासियों और यात्रियों ने राहत की सांस ली। जौनपुर प्रधान संगठन के अध्यक्ष प्रदीप कवि ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर एक बजे करीब भारी भूस्खलन के कारण सड़क बंद हो गई थी। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता मदनमोहन जोशी और मनीष चौहान ने बताया कि भूस्खलन के कारण सड़क पर भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया था और पुश्ता भी क्षतिग्रस्त हो गया था। ऐसे में पहाड़ी की ओर कटिंग करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह तक सड़क को सुरक्षित बनाकर वाहनों की आवाजाही शुरू करा दी गई है। विभाग की ओर से मार्ग की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

ऐना हत्याकांड: अग्निवीर भर्ती की तैयारी कर रहे सागर की बेरहमी से हत्या

अल्मोड़ा। तहसील रानीखेत अंतर्गत कुंवाली क्षेत्र के ऐना गांव में शुक्रवार की रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां घर में घुसकर सागर सिंह बिष्ट (20) की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जबकि बीच–बचाव करने आई उसकी बुआ और दादी पर भी जानलेवा हमला किया गया। मृतक सागर सिंह बिष्ट अग्निवीर (सेना) भर्ती की तैयारी कर रहा था। इस खूनी वारदात के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

परिजनों के अनुसार सागर सेना भर्ती की तैयारी के लिए रोज की तरह दौड़ लगाकर घर लौटा था। इसी बीच आरोपी जगत सिंह बोरा मोबाइल फोन ठीक कराने के बहाने उसके घर पहुंचा। जैसे ही सागर फोन देखने लगा आरोपी ने पीछे से अचानक उस पर चाकू और हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर दिए।

चीख–पुकार सुनकर ऊपरी कमरे में पहुंचे सागर की बुआ के बेटे नीरज बोरा ने बताया कि उसने करीब 7:50 बजे आरोपी जगत सिंह को हाथ में चाकू लेकर घर से भागते देखा। कमरे के भीतर सागर खून से लथपथ पड़ा था। उसका गला रेता गया था और सीने पर चाकू के कई गहरे घाव थे। पास ही उसकी 60 वर्षीय दादी साबुली (शोभा देवी) पत्नी स्व. विशन सिंह अचेत और 50 वर्षीय बुआ जानकी देवी पत्नी वीरेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल पड़ी थीं।

एक महिला हल्द्वानी रेफर, अस्पताल से कोतवाली तक प्रदर्शन

दोनों घायल महिलाओं को देर रात उप जिला चिकित्सालय रानीखेत पहुंचाया गया जहां से साबुली देवी उर्फ शोभा देवी की नाजुक हालत को देखते हुए हल्द्वानी रेफर कर दिया गया। घायल जानकी देवी का रानीखेत अस्पताल में उपचार चल रहा है। शनिवार सुबह अस्पताल परिसर में ग्राम सिमोली, ऐना और तुस्यारी के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित ग्रामीण और परिजन आरोपी को फांसी देने की मांग को लेकर कोतवाली पहुंच गए और उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े परिजन, पांच घंटे तक चला हंगामा

शनिवार को उप जिला चिकित्सालय में मृतक के परिजन और ग्रामीण आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर आक्रोशित हो गए। परिजनों ने कहा कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होगी तब तक वे वहां से नहीं हटेंगे। देखते ही देखते अस्पताल परिसर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

साहित्य में एआई की भूमिका शून्य इसमें मौलिकता नहीं- रुश्दी

ढाका, एजेंसी। मशहूर लेखक सलमान रुश्दी का मानना है कि साहित्य जैसे रचनात्मक कार्यों में एआई की कोई भूमिका नहीं है क्योंकि इसमें मौलिकता नहीं होती। बुकर पुरस्कार विजेता रुश्दी ने बुधवार को लंदन में लिबेराटम का 14वां सम्मान स्वीकार करने से पहले यह बात कही। रुश्दी ने कहा कि एआई बड़ी मात्रा में जानकारी लेकर उसके संस्करण बना सकता है लेकिन यह ऐसा कुछ नहीं कर सकता जो किसी ने पहले न किया हो।

जर्मनी में हीटवेव से पांच हजार से अधिक लोगों की हुई मौत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण इस साल अब तक लगभग 5,120 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से अधिकांश लोग जून के आखिरी हफ्ते में मारे गए। देश की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था रॉबर्ट कोच इंस्टीट्यूट (आरकेआई) के मुताबिक, मृतकों में बुजुर्गों की संख्या सर्वाधिक रही। लगभग 4,270 मृतक 75 वर्ष या उससे अधिक उम्र के थे, जिनमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक रही। पश्चिमी यूरोप में इस साल जून का महीना सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया।

उज्बेकिस्तान में भारतीय छात्रा की बेरहमी से पीटकर हत्या

ताशकंद, एजेंसी। उज्बेकिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रही केरल की 22 वर्षीय छात्रा सावरिया की उसके दोस्त और सहपाठी ने बेरहमी से पीटकर हत्या कर दी। स्थानीय पुलिस ने मल्लपुरम निवासी आरोपी सदरुल अनाम (23) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों एक ही हॉस्टल में रहते थे। परिजनों का आरोप है कि हत्या से पहले सावरिया को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया और बेरहमी से पीटा गया। उसके शरीर में गंभीर चोटों के निशान हैं।

सिंगापुर- चीनी बैंक खाते फ्रीज भारतीय प्रबंधक पर 39 केस

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में एक कंपनी के भारतीय मूल के प्रबंधक के खिलाफ 39 आपराधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं। यह कार्रवाई आरोपी मलिक समीर (36) की कंपनी समलिट मनीचेंजर की ओर से चीन भेजे गए 1.3 करोड़ सिंगापुर डॉलर (लगभग 80 करोड़ रुपये) के रेमिटेंस के फ्रीज होने के बाद हुई है। मामले में कंपनी और उसके निदेशक नोवियांती (45) के खिलाफ भी कुल 34 केस दर्ज किए गए हैं। मामला 2023 का है। पुलिस को चीनी अधिकारियों से 670 ज्यादा शिकायतें मिली थीं।

चार्ली किर्क हत्याकांड: आरोपी ने कहा था- काश यह नहीं किया होता, कोर्ट में चला वीडियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राजनीतिक कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के मामले में कोर्ट में पेश किए गए एक पुलिस वीडियो में आरोपी टायलर रॉबिन्सन के रूममेट लांस ट्विग्स ने दावा किया कि घटना के अगले दिन आरोपी ने उससे कहा था, 'काश मैंने यह नहीं किया होता।' अभियोजन पक्ष का कहना है कि आरोपी ने एक नोट और संदेश में भी किर्क को निशाना बनाने की बात लिखी थी। रॉबिन्सन पर हत्या का आरोप है, लेकिन उसने अभी दोष स्वीकार नहीं किया है। अदालत अब तय करेगी कि उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं या नहीं।

चीन में तूफान और बाढ़ से भीषण तबाही 39 लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन में आए एक भीषण उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ से 39 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि की। यह तबाही ऐसे समय में आई है जब चीन का पूर्वी तट और ताइवान एक नए चक्रवाती तूफान (बावी) को लेकर संकट में है। बाढ़ में सर्वाधिक मौतें हेंगझोउ में हुई हैं। नाननिंग शहर में एक जलाशय का बांध आंशिक रूप से टूटने से आई बाढ़ में अकेले हेंगझोउ में 26 लोगों की मौत हुई।

नोबेल को आतुर ट्रंप फिर बोले- एटमी वार में बदलने वाला था भारत-पाकिस्तान युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान युद्ध सुलझाने का फिर दावा किया है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच का टकराव परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। बिना कोई विवरण दिए ट्रंप ने कहा कि मई-2025 में दोनों पड़ोसी देशों के बीच चार दिन के संघर्ष में 11 लड़ाकू विमान मार गिराए गए थे। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष समेत आठ लड़ाइयों को सुलझाने की वजह से वह नोबेल शांति पुरस्कार के लिए किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में ज्यादा हकदार हैं।

वेनेजुएला में धरती थमी लेकिन नहीं थमा संकट: अब कौन सी नई परेशानी आई सामने? 3811 पहुंची मृतकों की संख्या

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में पिछले महीने आए दो भीषण भूकंपों के बाद मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। राहत शिविरों में डायरिया, त्वचा रोग और मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने 13 लाख जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए 30 करोड़ डॉलर की अपील की है, जबकि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन राहत और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में जुटे हैं।

क्या अब राहत से ज्यादा स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत महसूस हो रही है : मदद की यह मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब संयुक्त राष्ट्र ने दक्षिण अमेरिकी देश में सहायता की सख्त जरूरत वाले 13 लाख लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए करीब 30 करोड अमेरिकी डॉलर की अपील की है। यह वही देश है, जहां कुछ समय पहले तक गैर-सरकारी संगठनों को सरकारी दमन का सामना करना पड़ रहा था। सबसे ज्यादा प्रभावित उत्तरी राज्य ला गुआइरा में अब सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल किचन, अस्थायी क्लिनिक और फील्ड अस्पताल लोगों की मदद में जुटे दिखाई दे रहे हैं।

राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने क्या कहा : वेनेजुएला के दौरे पर पहुंचे संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा,'विस्थापन स्थलों पर साफ दिखाई दे रहा है कि, खासकर दो सप्ताह बाद, लोग इसलिए आ रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी पुरानी बीमारियों का इलाज नहीं मिल पा रहा है। अब लोग सिर्फ फ्रैक्चर जैसी चोटों के साथ नहीं आ रहे, बल्कि लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के लिए भी पहुंच रहे हैं। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि हम लगातार उनके साथ मौजूद रहें।'

किन बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं : ला गुआइरा राज्य के कैटिया ला मार इलाके में मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने गुरुवार को बताया कि त्वचा संबंधी बीमारियों और डायरिया के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों की दवाओं की मांग भी लगातार बढ़ रही है। डॉक्टरों का मानना है कि भीडभाड वाले राहत शिविरों, साफ पानी की कमी और खराब स्वच्छता व्यवस्था के कारण इन बीमारियों का खतरा और बढ़ गया है। इनमें से कई समस्याएं भूकंप से पहले भी मौजूद थीं, लेकिन अब हालात और गंभीर हो गए हैं।

इरमा एचारी इलाज के लिए क्यों पहुंचीं : इरमा एचारी चर्च के सामने सड़क के दूसरी ओर फुटपाथ पर खड़ी एक मोबाइल मेडिकल यूनिट में अपनी नियमित आई ड्रॉप और दर्द निवारक दवाओं के खाली डिब्बे लेकर पहुंचीं। उन्हें उम्मीद थी कि वहां मौजूद डॉक्टर उन्हें नई दवाएं उपलब्ध करा सकेंगे। इसके साथ ही वह 24 जून को आए भूकंप के बाद नाक में बने लगातार दर्द की भी जांच कराना चाहती थीं। 67 वर्षीय एचारी ने अपनी बारी का इंतजार करते हुए कहा, 'बहुत दर्द होता है। दर्द इसलिए होता है क्योंकि दर्द है।

भूकंप के बाद कितनी तबाही हुई : एचारी का घर भले ही क्षतिग्रस्त नहीं हुआ, लेकिन उनके कई पड़ोसी अस्थायी आश्रयों या खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, लगातार आए भूकंपों में 3,811 लोगों की मौत हुई, 190 इमारतें पूरी तरह ढह गईं और 856 अन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार का अनुमान है कि करीब 18,000 लोग बेघर हो गए हैं। इनमें से कई लोग स्कूलों, फुटपाथों, पार्कों, प्लाजा और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रह रहे हैं।

राहत अभियान में सबसे ज्यादा मदद कौन कर रहा है : संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि भूकंप के बाद अब तक सबसे ज्यादा सहायता अमेरिका की ओर से मिली है। हालांकि जमीनी स्तर पर राहत का अधिकांश काम स्थानीय संगठन कर रहे हैं, जो वैश्विक मानवीय संस्थाओं के साथ मिलकर प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचा रहे हैं।

जुलबे रेयेस की कहानी क्या बयां करती है : बेघर हुए लोगों में जुलबे रेयेस भी शामिल हैं। उन्होंने वेनेजुएला के संगठन पालुज द्वारा इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी के सहयोग से संचालित क्लिनिक में इलाज कराया। भूकंप के कारण नैनी की नौकरी गंवा चुकी रेयेस सीने में दर्द की शिकायत लेकर क्लिनिक पहुंची थीं। 41 वर्षीय रेयेस ने जांच और दवा मिलने के बाद कहा, 'मुझे लगा कि मेरे दिल में कोई परेशानी है, लेकिन डॉक्टरों ने बताया कि उस दिन लगातार चीखने और घबराहट की वजह से एक नस में सूजन आ गई थी। संयुक्त राष्ट्र के आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय के अनुसार, भूकंप के कारण घरों और बुनियादी ढांचे को हुए सीधे नुकसान का अनुमान करीब 37 अरब अमेरिकी डॉलर लगाया गया है।

ईरानः मशहद में सुपुर्द-ए-खाक हुए पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई, ट्रंप को ठहरा रहे जिम्मेदार

तेहरान, एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को गुरुवार को मशहद में इमाम रजा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया गया. इस मौके पर हजारों समर्थकों उन्हें आखिरी विदाई देने के लिए इकट्ठा हुए. बता दें, अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में मारे गए थे. अंतिम संस्कार की रस्मों के तहत खामेनेई के शव को इमाम रजा की कब्र के चारों ओर ले जाने के बाद दार अल-धिकर प्रार्थना हॉल में दफनाया गया. अंतिम संस्कार की नमाज उनके सबसे बड़े बेटे, सैय्यद मुस्तफा खामेनेई ने पढ़ी. इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, दानेश चौराहे और इमाम रजा दरगाह के बीच भारी भीड़ होने की वजह से खामेनेई के शव को हवाई जहाज से पवित्र दरगाह तक ले जाना पड़ा. सरकारी मीडिया ने कुछ तस्वीरें दिखाईं जिनमें मशहद में अंतिम संस्कार के रास्ते पर शोक मनाने वालों की भारी भीड़ दिख रही थी और वे पूर्व सुप्रीम लीडर के शव को आखिरी विदाई देने के लिए ले जा रहे काफिले को घेर रहे थे. वहीं, खामेनेई के अंतिम संस्कार के मौके पर उपस्थित भीड़ ट्रंप विरोधी बैनर लिए हुए दिखाई दी. इससे तेहरान का यह रुख सामने आया कि वह नेता की मौत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को जिम्मेदार मानता है. बता दें, इस अवसर पर ईरान के नए नियुक्त सुप्रीम लीडर, मोजतबा खामेनेई शामिल नहीं हुए. इस साल की शुरुआत में 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइली हमलों में अली खामेनेई की हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संघर्ष शुरू हो गया था. उनकी मौत के बाद, उनके बेटे, मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक रिपब्लिक का नया सुप्रीम लीडर बनाया गया. वहीं, पिछले महीने, इस युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच एक 14-सूत्रीय मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर हुए थे।

अमेरिका से भारत भेजी जा रही 22 किलो से अधिक कोकीन जब्त

मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक एयर कार्गो गोदाम से भारत भेजी जा रही 22.35 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई है। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने बताया कि इस खेप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 लाख डॉलर आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार मादक पदार्थ डोमिनिकन गणराज्य से भारत भेजे जा रहे एक पार्सल में छिपाया गया था। पार्सल पर 'म्यूजिक इक्विपमेंट' लिखा था और कोकीन को स्पीकर व एम्प्लीफायर के अंदर बेहद चालाकी से छिपाया गया था। जांच के दौरान अधिकारियों को चार स्पीकर और दो एम्प्लीफायर के भीतर आठ पाउच और चार ईंटनुमा पैकेट मिले। जांच में यह कोकीन हाइड्रोक्लोराइड निकली। यह कार्रवाई फीफा विश्व कप के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन स्ट्राइकर शील्ड के तहत की गई। सीबीपी ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। मामले की जांच अब होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस कर रही है।

सीरिया में मैक्रों की यात्रा के दौरान हुए धमाकों के आरोपी गिरफ्तार : दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की सरकार ने दावा किया है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की हालिया यात्रा के दौरान दमिश्क में हुए बम धमाकों के पीछे शामिल संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार सुरक्षा बलों ने राजधानी और आसपास के इलाकों में छापेमारी कर पूरे मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। हालांकि गिरफ्तार लोगों की पहचान और संगठन का खुलासा नहीं किया गया है। मैक्रों मंगलवार को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात कर रहे थे, तभी कूड़ेदान और एक खड़ी कार में लगाए गए बम फट गए। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई और 36 लोग घायल हो गए। इससे पहले पिछले सप्ताह दमिश्क के एक कैफे में हुए विस्फोट में 10 लोगों की जान गई थी।

अमेरिका के एक एयरपोर्ट का नाम बदलकर राष्ट्रपति ट्रंप के नाम पर रखा गया

फ्लोरिडा , एजेंसी। दक्षिण फ्लोरिडा के हवाई अड्डे पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम गुरुवार को आधिकारिक तौर पर बदलकर 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' कर दिया गया। पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पुराने साइनबोर्ड हटाए जा रहे हैं और उनकी जगह नए नाम वाले बोर्ड लगाए जा रहे हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने फेसबुक पोस्ट में कहा, 'पूरे एयरपोर्ट का बदलाव एक रात में संभव नहीं है। इसलिए आने वाले कुछ हफ्तों तक टर्मिनल से यात्रा के दौरान यात्रियों को पुराने स्वरूप और नए ब्रांडिंग तत्वों का मिश्रण देखने को मिलेगा।'

ट्रंप का विमान ही सबसे पहले उतरा : द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन के स्वामित्व वाला बोइंग 757 विमान, जिसे 'ट्रंप फोर्स वन' नाम से जाना जाता है। इस एयरपोर्ट पर उतरने वाला पहला विमान बना। यह विमान सुबह करीब 5 बजे एयरपोर्ट पहुंचा। इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप भी सवार थे। ट्रंप परिवार, पाम बीच स्थित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार-ए-लागो आवास पर आने-जाने के दौरान नियमित रूप से वेस्ट पाम बीच एयरपोर्ट का इस्तेमाल करता है। इससे पहले इस वर्ष एयरपोर्ट से ट्रंप के आवास तक जाने वाली एक सड़क का नाम भी बदलकर 'डोनाल्ड जे. ट्रंप बुलेवार्ड' रखा गया था।

बेटे ने लिखा- इस सम्मान के अधिकार भी वही हैं : एरिक ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'फ्लोरिडा और हमारे देश के लिए जितना योगदान इन व्यक्ति ने दिया है, उतना किसी और ने नहीं दिया। इस सम्मान के सबसे अधिक हकदार भी वही हैं। एक बेटे के रूप में और इस एयरपोर्ट से लगभग रोज यात्रा करने वाले व्यक्ति के तौर पर, अपने बोर्डिंग पास पर 'DJT' के शुरुआती अक्षर देखकर मुझे हमेशा गर्व महसूस होगा।' हालांकि एयरपोर्ट का नया नाम गुरुवार से लागू हो गया है, लेकिन इसका तीन अक्षरों वाला एयरपोर्ट कोड PBI से बदलकर DJT 18 अगस्त से किया जाएगा।

ट्रंप ने क्या कहा : राष्ट्रपति ट्रंप ने बाद में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एयरपोर्ट का नाम बदले जाने का स्वागत किया। उन्होंने लिखा, 'पाम बीच, फ्लोरिडा के लिए यह बहुत बड़ा दिन है। शानदार मतदान के बाद पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'द प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' रखा जाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। यह इलाका बेहद लोकप्रिय है, इसकी लोकेशन शानदार है और इसका नवीनीकरण भी शानदार होगा। पाम बीच के सभी लोगों का उनके समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद।' उन्होंने इसे दुनिया के सबसे महान और शानदार हवाई अड्डों में से एक भी बताया।

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस ने इसी वर्ष उस विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे एयरपोर्ट का नाम बदलने का रास्ता साफ हुआ। नए साइनबोर्ड, ब्रांडिंग और अन्य बदलावों पर लगभग 55 लाख अमेरिकी डॉलर तक खर्च होने का अनुमान है। गुरुवार सुबह सिनसिनाटी जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे यात्री कीगन कोलेट ने कहा कि नया नाम देखकर उन्हें हैरानी हुई। उन्होंने कहा कि उनके मुताबिक ट्रंप इस सम्मान के हकदार नहीं हैं, लेकिन इससे उन्हें कोई खास आपत्ति भी नहीं है।

पुल का नाम बदलकर भी ट्रंप के नाम पर किया : इसी बीच, गुरुवार सुबह टेनेसी के डैंड्रिज में आयोजित एक समारोह में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, अमेरिकी सीनेटर मार्शा ब्लैकबर्न, बिल हैगर्टी और प्रतिनिधि सभा के सदस्य टिम बर्चेट ने हिस्सा लिया। इस दौरान पूर्वी टेनेसी स्थित आई-40 ब्रिज का नाम बदलकर 'डोनाल्ड जे. ट्रंप ब्रिज' रखा गया। डैंड्रिज स्थित जेफरसन काउंटी में 2024 के आम चुनाव में ट्रंप को 82 प्रतिशत वोट मिले थे।

ईरान पर नए हमले के बाद ट्रंप और नेतन्याहू के बीच हुई बातचीत, खाड़ी देशों की स्थिति पर हुई चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान पर हाल ही में हुए अमेरिकी हमलों के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को इस पूरी घटना की जानकारी दी। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा ङ्क पर साझा की गई एक पोस्ट के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच शाम को बातचीत हुई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच निरंतर समन्वय स्थापित किया गया। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया है, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम नेतन्याहू को खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी गतिविधियों की जानकारी दी। पीएम नेतन्याहू ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और उनके समर्थकों द्वारा इजरायल राज्य के अस्तित्व के खिलाफ दिए गए बयानों की गंभीरता और इजरायल की सीमाओं पर सुरक्षा क्षेत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया।'

इससे पहले ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (IRGC) ने गुरुवार को दावा किया कि उसने उत्तरी जॉर्डन में स्थित अमेरिकी अल-अजराक एयरपोर्ट पर 10 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। आईआरजीसी ने इसे 'पश्चिम एशिया में दुश्मन का कमांड और कंट्रोल सेंटर' बताया। यह हमला वाशिंगटन द्वारा तेहरान पर हाल ही में किए गए हमले के जवाब में किया गया था। ईरान की सरकारी मीडिया IRIB द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आईआरजीसी ने कहा कि मिसाइल हमले अमेरिका द्वारा किए गए कथित आक्रमण के जवाब में की गई कार्रवाई का 'दूसरा चरण' है। बयान में कहा गया, 'आज दोपहर 2:20 बजे, आईआरजीसी के लड़ाकू विमानों ने पश्चिम एशिया में दुश्मन के कमांड और कंट्रोल सेंटर और जॉर्डन के अल-अजराक स्थित दुश्मन के हवाई अड्डे को 10 बैलिस्टिक मिसाइलों से नष्ट कर दिया।'

अमेरिकी ठिकानों पर अधिक हमलों की चेतावनी : आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि अमेरिका की और सैन्य कार्रवाई से क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर और हमले होंगे। आईआरआईबी द्वारा जारी बयान में कहा गया है, 'अगर अमेरिकी आतंकवादी सेना अपनी आक्रामकता दोहराती है, तो क्षेत्र में अन्य अमेरिकी ठिकाने भी हमारी भारी गोलाबारी से सुरक्षित नहीं रहेंगे।

बयान में आगे कहा गया है कि ईरान ने पहले ही चेतावनी दी थी कि बार-बार हमले होने पर वह अपनी सैन्य प्रतिक्रिया का विस्तार करेगा। इसी बीच, जॉर्डन ने पुष्टि की कि ईरान से मिसाइलों के देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद हवाई हमले के सायरन सक्रिय कर दिए गए हैं।

चीन के जिनजियांग में जूतों की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 28 की मौत; जिनपिंग के सख्त आदेश

बीजिंग, एजेंसी। चीन के जिनजियांग शहर में गुरुवार को जूतों की फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 28 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना के वीडियो में इमारत और उसके आसपास की आग की लपटें उठती हुई दिख रही हैं। आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने आग लगने के बाद बचाव और राहत कार्यों के लिए संयुक्त कार्य दल पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के जिनजियांग शहर भेज दिए हैं। मंत्रालय ने बताया कि आग दोपहर करीब 12 बजे लगी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अधिकारियों को तलाश और बचाव अभियानों में हरसंभव प्रयास करने, घटना का कारण पता लगाने और जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया है।

जिनपिंग ने दिए सख्त आदेश : जिनपिंग ने घटना की तेजी से जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने का आदेश दिया। शहर के फायर डिपार्टमेंट ने एक बयान में कहा कि आग जिनजियांग शहर में हुईटेंग शू कंपनी की एक फैक्ट्री में लगी, जिसे चीन की जूतों की राजधानी भी कहा जाता है। आग लगने का कारण तुरंत पता नहीं चला, और यह भी साफ नहीं है कि हाल के सालों में चीन में लगी सबसे जानलेवा आग में और लोग घायल हुए हैं या नहीं। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि लोग छत पर फंस गए थे।

हिरासत में फैक्ट्री का मालिक और इंचार्ज : शिन्हुआ के अनुसार, फैक्ट्री के मालिक और दूसरे इंचार्ज को हिरासत में ले लिया गया है और कंपनी के अकाउंट फ्रीज कर दिए गए हैं। स्टेट ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी के वीडियो में कई मंजिल वाली एक बिल्डिंग का अगला हिस्सा जला हुआ काला और सफेद धुएं से ढका हुआ दिख रहा है। पहले के फुटेज में दिख रहा है कि कई मंजिलों पर आग लगी हुई थी और बिल्डिंग घने काले धुएं से ढकी हुई थी। जब आग लगी, तब फैक्ट्री में 237 वर्कर और दो विजिटर थे। अधिकारियों ने 213 लोगों को निकाला या बचाया है। सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवीके मुताबिक, मरने वाले 28 लोगों में से दो को हॉस्पिटल ले जाने के बाद मृत घोषित कर दिया गया।

फुटबॉल फैंस का फूटा गुस्सा! फ्रांस से मोरक्को की हार के बाद लंदन में भड़की हिंसा, सड़कों पर भारी बवाल

लंदन , एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में फ्रांस ने सेमीफाइनल के लिए अपनी सीट पक्की कर ली है। फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर अपनी जगह बनाई है। मोरक्को के खिलाफ फ्रांस की जीत के बाद पेरिस में शांतिपूर्ण तरीके से जश्न मनाया गया, तो वहीं, वहीं लंदन में हिंसक झड़प की घटना सामने आई। लंदन की गलियों में फुटबॉल फैंस की भारी भीड़ सड़कों पर उतर आई, जिसके बाद हालात बेकाबू हो गए। पेरिस में पहले से ही हिंसा की आशंका के तहत सुरक्षा बलों को तैनात रखा दया था। लेकिन लंदन में हालात तनावपूर्ण हो गए। मोरक्को की हार के बाद सड़कों पर हिंसा होने लगी। लोगों ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया।

एक पुलिस अधिकारी घायल : द सन में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, फीफा वर्ल्ड कप में फ्रांस की सेमीफाइनल में एंट्री होने के बाद वेस्टर्न लंदन में कुछ उपद्रवियों ने मिलकर एक पुलिस अधिकारी पर भी हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घायल पुलिस अधिकारी को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। देखते-ही-देखते स्थिति बेकाबू हो गई और फैंस सड़कों पर अपना गुस्सा निकालते हुए दिखाई दिए।

भीड़ को कंट्रोल करती दिखी पुलिस : इस हिंसा का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इन वीडियो में सुरक्षाकर्मी भीड़ को काबू करने की कोशिश करते नजर आ रही है। पुलिसकर्मी और उपद्रवी आमने-सामने एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे है। मैच से पहले डर था कि उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को और उसके पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस के बीच फीफा वर्ल्ड कप मैच के बाद पेरिस में हिंसा भड़क सकती है। अच्छी बात यह रही कि पेरिस में माहौल शांतिपूर्ण रहा। हजारों फैन्स फ्रांसीसी टीम की जीत का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आए।

फ्रांस में 20 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात : ध्यान देने वाली बात यह है कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे फ्रांस में 20,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी

तैनात किए गए थे, जिनमें से लगभग 8,000 अकेले पेरिस में तैनात थे। फ्रांस की सुरक्षा एजेंसियों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि पेरिस सेंट-जर्मेन की पिछले मई में चैंपियनशिप जीत के बाद हुई अशांति जैसी स्थिति जिसमें हिंसा भी हो सकती हैफिर से पैदा हो सकती है। हालांकि, इस फीफा वर्ल्ड कप मैच के बाद पेरिस का माहौल हिंसा के बजाय खुशी और जश्न का था।

उपद्रवियों के हमले में 1 पुलिस अधिकारी हुआ घायल : द सन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस की सेमीफाइनल में एंट्री तय होने के कुछ ही देर बाद वेस्टर्न लंदन में एक पुलिस अधिकारी उपद्रवियों के अटैक में घायल हो गया। बाद में उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाना पड़ा।

एडगवेयर रोड पर भीड़ को कंट्रोल करती दिखी पुलिस : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में पुलिसकर्मी एडगवेयर रोड पर भारी भीड़ को कंट्रोल करने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य वीडियो में जख्मी पुलिसकर्मी सड़क पर लेटा हुआ नजर आ रहा है और मेडिकल टीम उसका इलाज कर रही है। इस दौरान, अन्य पुलिसकर्मी ढालों के साथ कतार बनाकर उपद्रवियों की तरफ आगे बढ़ते हुए नजर आए।

आशंका के उलट पेरिस में शांतिपूर्ण रहा जश्न : मैच से पहले ऐसी आशंका जताई गई थी कि नॉर्थ अफ्रीका के देश मोरक्को और उसके पूर्व उपनिवेशवादी शासक फ्रांस के बीच फीफा वर्ल्ड कप मैच के बाद पेरिस में हिंसा भड़क सकती है। गनीमत रही कि पेरिस में माहौल शांतिपूर्ण रहा। हजारों फैंस सड़कों पर उतरकर फ्रांस की टीम की जीत का जश्न मनाते दिखे।

फराह-रितेश दोनों सख्त जेलर हैं

अभिनेत्री कंगना रनौत रियलिटी शो 'लॉक अप' के दूसरे सीजन के लिए वापस आ गई हैं। हालांकि, इस बार वह 'जजमेंट डे' एपिसोड में जूरी के तौर पर 'जनता की आवाज' बनेंगी। कंगना शो के जेलर्स, फराह खान और रितेश देशमुख के साथ शामिल होंगी, जो लगातार कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब कर रहे हैं और यह पक्का कर रहे हैं कि कोई भी झूठ या बहाना नजरअंदाज न हो।
रियलिटी शो में जेलर्स के तौर पर फराह और रितेश के असरदार काम की तारीफ करते हुए 'क्वीन' एक्ट्रेस ने कहा कि ये दोनों कंटेस्टेंट्स के साथ बहुत निष्पक्ष रहे हैं। साथ ही टास्क के मामले में वे बिल्कुल भी समझौता नहीं करते हैं।
सीजन 1 में शो की होस्ट रहीं कंगना ने कहा, 'फराह और रितेश ने 'लॉक अप' में वही अधिकार और तेवर दिखाया है, जिसकी इसे जरूरत थी। कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब करते समय वे निष्पक्ष, निडर और बिल्कुल समझौता न करने वाले रहे हैं।
उन्होंने कहा, ' 'जनता की आवाज' के तौर पर, मैं इसे एक कदम और आगे ले जाने के लिए यहां आई हूं। दर्शक हर हरकत देख रहे हैं और अब उनकी आवाज सुनने का समय आ गया है। मेरा यकीन मानिए, नया एपिसोड हर किसी को चर्चा करने पर मजबूर कर देगा।' इससे पहले शो का दोबारा हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा था, 'यह शो हमेशा अपने सच को स्वीकार करने के बारे में रहा है, चाहे वह कितना भी असहज क्यों न हो। 'लॉक अप: सच या सजा' के पहले एलिमिनेशन के लिए इस वीकेंड जूरी या 'जनता की आवाज' के तौर पर फराह और रितेश के साथ जुड़ते हुए, मैं बस इतना ही कह सकती हूं कि हर पसंद की एक कीमत होती है।

बेटे के नजरिए से चुनती हूं फिल्म

मां बनने के बाद काम में बदलाव पर की बात

दिवाली पर नितेश तिवारी की 'रामायण: पार्ट 1' रिलीज होगी। काम में व्यस्त रहने के बावजूद काजल कहती हैं कि अब वह बहुत सोच-समझकर फिल्में चुनती हैं, खासकर मां बनने के बाद उनकी सोच पूरी तरह बदल गई है।

मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा मुझ पर गर्व करे

एक इंटरव्यू में काजल अग्रवाल ने घर और काम को लेकर बात करते हुए कहा, 'शादी और बच्चे के बाद जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। अब जब मैं कोई प्रोजेक्ट चुनती हूं, तो अपने बच्चे के नजरिए से सोचती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा मुझ पर गर्व करे। वह मेरी फिल्म देखे और कहे कि यह मेरी मां का काम है और यह बहुत अच्छा है। इसलिए अब मैं ज्यादा जिम्मेदारी और समझदारी के साथ फैसले लेती हूं।'

बेटा रामायण का बहुत बड़ा फैन

इसी वजह से 'रामायण' को लेकर उनकी एक्साइटमेंट भी काफी ज्यादा है। फिल्म को लेकर उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा रामायण का बहुत बड़ा फैन है। वह रोज घर पर रामलीला करता है और किरदार निभाता है। जब मैंने उसे बताया कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं, तो वह बहुत खुश हो गया। मजेदार बात यह है कि उसका फेवरेट किरदार रावण है और मैं फिल्म में उसकी पत्नी मंदोदरी का रोल निभा रही हूं। जब 'रामायण' का पार्ट 2 आएगा, तब वह लगभग 5 साल का होगा और मैंने उससे कहा है कि वह अपनी पहली फिल्म थिएटर में देखेगा।'

दो हिस्सों में रिलीज होगी

'रामायण' नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा।

प्रियदर्शन नहीं होंगे हेरा फेरी 3 का हिस्सा

प्रियदर्शन ने हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' का निर्देशन किया है। इन दिनों वह 'हैवान' पर काम कर रहे हैं। इस बीच निर्माता फिरोज ए नाडियाडवाला ने बताया है कि 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्टर नहीं करेंगे। उन्होंने अक्षय कुमार और परेश रावल जैसे एक्टर्स के साथ अपने रिश्तों के बारे में भी बात की। से बातचीत में फिरोज ने अक्षय कुमार के साथ अपने रिश्ते के बारे में कहा 'हमारा रिश्ता भाईचारे जैसा है। यह पैसे और दबाव से कहीं ऊपर है। हमारा रिश्ता 1996-97 से है। यह साथ रहने और साथ काम करने पर आधारित है और यही हमारा रिश्ता है।' परेश रावल की तारीफ करते हुए फिरोज ए नाडियाडवाला ने कहा 'डिक्शनरी में परेश भाई के बारे में बताने के लिए कोई शब्द नहीं है। वह कमाल के हैं। उनके विचार, सपोर्ट और कोशिशें आम लोगों से कहीं बढ़कर हैं। उनके काम करने के तरीके में कुछ आध्यात्मिक बात है।'
जब 'हेरा फेरी 3' की मौजूदा स्थिति के बारे में पूछा गया, तो फिरोज ने संक्षेप में लेकिन भरोसा दिलाते हुए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'सब कुछ सही रास्ते पर है और सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रियदर्शन इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट करने के लिए वापस आएंगे, तो फिरोज ने सीधा और साफ जवाब दिया, जिससे अटकलों की कोई गुंजाइश नहीं बची। उन्होंने कहा, 'नहीं, प्रियदर्शन इसका हिस्सा नहीं हैं।'

अपने हिंदी डेब्यू को तैयार एक्टर अदिवि शेष

एक्टर-राइटर अदिवि शेष अब अपने हिंदी फिल्मी डेब्यू के लिए तैयार हैं। यह उनके करियर का अगला पड़ाव है, क्योंकि उन्हें तेलुगु सिनेमा के अलावा भी दर्शकों का प्यार लगातार मिल रहा है। उम्मीद है कि इस फिल्म की शूटिंग अक्तूबर में शुरू हो जाएगी। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'अदिवि शेष ने अच्छे कंटेंट वाली फिल्मों के जरिए दर्शकों के साथ मजबूत जुड़ाव बनाया है। 'मेजर' और 'डकैत' जैसी फिल्मों को मिले अच्छे रिस्पॉन्स से उनके दर्शकों का दायरा काफी बढ़ा है। अलग-अलग इंडस्ट्रीज और भाषाओं में उनके साथ काम करने को लेकर दिलचस्पी भी साफ तौर पर बढ़ रही है।'

महिलाओं के लिए सबसे मुश्किल जगह है बॉलीवुड

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी नई फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने साथ हुए भेदभाव के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री को अक्सर उनके साथी अभिनेताओं से अलग तरह से जज किया जाता है। कृति ने इंडस्ट्री में काम करने की चुनौतियों के बारे में भी बात की है। बातचीत में कृति ने बताया कि उन्होंने मॉडलिंग, इंजीनियरिंग कॉलेज और फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। वह जिन भी फील्ड्स का हिस्सा रही हैं, उनमें से बॉलीवुड ही वह जगह है जहां उन्हें सबसे ज्यादा चैलेंज का सामना करना पड़ा है। उन्होंने याद किया कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तो महिलाओं के लिए आज की तुलना में बहुत कम मौके थे।

लिंग के आधार पर है भेदभाव

कृति के मुताबिक, उस समय कई फिल्में मेल हीरो के आस-पास होती थीं, जिनमें अभिनेत्रियों को अक्सर सिर्फ रोमांटिक इंटरेस्ट के तौर पर लिया जाता था। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री धीरे-धीरे बड़ी हुई है, अब महिलाओं के लिए बेहतर लिखे गए रोल बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लिंग के आधार पर भेदभाव अभी भी कई तरह से मौजूद है। कृति ने फिल्म सेट पर मेल और फीमेल एक्टर्स पर लागू होने वाले अलग-अलग स्टैंडर्ड्स के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह अपने कैरेक्टर और सीन के बारे में सवाल पूछने के लिए जानी जाती हैं। मगर जब कोई महिला ऐसा करती है, तो उसे अक्सर मुश्किल या बहुत ज्यादा सवाल पूछने वाली समझा जाता है।

कृति सेनन की हालिया रिलीज

कृति सेनन हाल ही में 'कॉकटेल 2' में नजर आई हैं। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक कॉमेडी में शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में थे। फिल्म को आलोचकों से मिले-जुले रिव्यू मिले। कृति ने अभी तक अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है।

अब काम करने का तरीका बदल गया है

अरशद वारसी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धमाल 4' और सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच एक्टर ने अपने करियर जर्नी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इतने साल में उनके काम करने का तरीका बदला है। साथ ही उन्होंने आज के युवा एक्टर्स के डर के बारे में भी बात की।

शॉट्स के बीच ब्रेक लेने के बजाय, काम करते थे अरशद

बातचीत के दौरान अरशद वारसी ने अपनी पीढ़ी के कलाकारों और नई पीढ़ी के एक्टर्स के बीच देखे गए अंतर के बारे में बात की। इंडस्ट्री में बदलते काम के माहौल पर बात करते हुए, अरशद ने अपनी एक फिल्म की शूटिंग का मजेदार किस्सा भी सुनाया। अरशद का मानना है

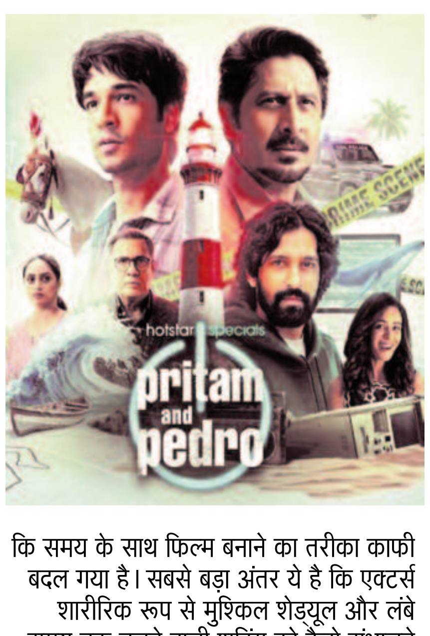

कि समय के साथ फिल्म बनाने का तरीका काफी बदल गया है। सबसे बड़ा अंतर ये है कि एक्टर्स शारीरिक रूप से मुश्किल शेड्यूल और लंबे समय तक चलने वाली शूटिंग को कैसे संभालते हैं। बातचीत के दौरान अरशद से पूछा गया कि पुरानी पीढ़ी के एक्टर्स नई पीढ़ी से कैसे अलग हैं?

इसका जवाब देते हुए उन्होंने एक ऐसा अनुभव शेयर किया जिसने उन पर गहरा असर डाला। उन्होंने एक स्टंट सीन की शूटिंग को याद किया। शॉट्स के बीच लंबा ब्रेक लेने के बजाय, वह बस अपने अगले क्यू का इंतजार करते और शूटिंग जारी रखते। इस घटना के बारे में बताते हुए अरशद ने कहा, 'मैंने वह सब किया और मैं आया और बैठ गया। अपने अगले शॉट का इंतजार किया, फिर मैं उठा और मैंने अगला शॉट और उसके बाद वाला शॉट किया।' यही वह काम करने का तरीका था जिसके वे अपने करियर के दौरान आदी हो गए थे।

अरशद के लगातार काम करने के फैन हुए निर्देशक

अरशद को बिना किसी रुकावट के शूटिंग जारी रखते देख, फिल्म के निर्देशक उनके पास गए और एक ऐसी बात कही जो अभिनेता को आज भी याद है। अरशद ने बताया कि निर्देशक ने कहा कि आप जैसे लोगों के साथ काम करना बहुत सुखद है। नई पीढ़ी के कलाकार, दो-चार स्टेप डांस करके मसाज कराने चले जाते हैं, आराम और रिकवरी के लिए उन्हें समय चाहिए, फिर वे रिकवर होकर वापस आकर दूसरा शॉट देते हैं।

नए कलाकारों का बहुत कुछ दांव पर है

हालांकि, अरशद का मानना है कि अब वर्किंग कल्चर में काफी बदलाव आया है। वो इस बदलाव को निगेटिव रूप से नहीं देखते हैं। बल्कि, उनका मानना है कि हर पीढ़ी को अपने-अपने अनूठे दबावों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज के कलाकारों के लिए बहुत कुछ दांव पर लगा होता है, शायद यही कारण है कि वे काम करते समय अधिक सतर्क रहते हैं। हम अभिनय की एक अलग दुनिया से आते हैं, इसलिए हां, थोड़ा अंतर तो है, लेकिन मुझे लगता है कि कहीं न कहीं सब ठीक हो जाता है। मुझे लगता है कि नए कलाकार ज्यादा डरे हुए हैं क्योंकि बहुत कुछ दांव पर लगा है।

सर्वेश बने पोडियम फिनिश करने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर एथलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हाई जंप में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश अनिल कुशारे ने शुक्रवार (10 जुलाई) को मोनाको में डायमंड लीग में तीसरे नंबर पर रहकर इतिहास रचा। वह डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए शीर्ष-3 में रहने वाले पहले भारतीय बने। विश्व के दिग्गज खिलाड़ी ओलेह डोरोशचुक, पूर्व ओलंपिक चैंपियन मुताज बारशिम, वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जान स्टेफेला और जैक किमानी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का मुकाबला करते हुए कुशारे 2.26 मीटर कूदकर किमानी और डोरोशचुक से पीछे रहे।

कुशारे से पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और श्रीशंकर मुरली वह भारतीय हैं,जो डायमंड लीग में टॉप-3 रहे हैं। महाराष्ट्र के 31 साल के कुशारे ने 2.16 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और 2.26 मीटर तक आसानी से पहुंच गए, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में उन्हें मुश्किल हुई और डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए तीसरे स्थान पर रहे।

कुशारे का दूसरा बड़ा टूर्नामेंट

पिछले दो सालों में कुशारे के लिए यह दूसरा बड़ा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह 2025 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। दुनिया में 9वें स्थान पर काबिज इस सीजन में सिर्फ तीन जंपर्स ही सर्वेश के 2.31 मीटर के मार्क को बेहतर कर पाए हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

कुशारे के नाम रिकॉर्ड

हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। सर्वेश कुशारे ने 2018 में तेजस्विन शंकर के बनाए नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 में नेशनल गेम्स में 2.27मीटर की जंप लगाने के तीन साल बाद सर्वेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2.28 मीटर का जंप लगाकर नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

सिनर ने जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

लंदन एजेंसी। विंबलडन 2026 के पुरुष एकल फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-1 यानिक सिनर ने सात बार के विंबलडन विजेता नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में जगह बना ली। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ब्रिटेन के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी के शानदार अभियान पर विराम लगाते हुए पहली बार विंबलडन फाइनल का टिकट हासिल किया। अब रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में मौजूदा चैंपियन सिनर और फ्रेंच ओपन चैंपियन ज्वेरेव आमने-सामने होंगे।पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इटली के यानिक सिनर ने अनुभवी नोवाक जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पूरे मुकाबले में सिनर ने आक्रामक खेल दिखाया और जोकोविच को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

यह जीत सिनर के लिए खास रही क्योंकि इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जोकोविच ने उन्हें पांच सेटों तक चले मुकाबले में हराया था। सिनर ने उस हार का हिसाब बराबर करते हुए विंबलडन के फाइनल में प्रवेश किया। 39 वर्षीय जोकोविच का रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी इस हार के साथ टूट गया। दूसरी ओर, फ्रेंच ओपन में मिली निराशा के बाद सिनर ने साबित कर दिया कि वह पूरी तरह फिट हैं और लगातार दूसरी बार विंबलडन खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं।

विंबलडन 2026 के खिताबी मुकाबले में ज्वेरेव से टक्कर

ज्वेरेव पहली बार पहुंचे विंबलडन फाइनल

पहले सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने घरेलू दर्शकों के चहेते ब्रिटिश खिलाड़ी आर्थर फेरी को 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन फाइनल में जगह बनाई। पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। फेरी ने शानदार संघर्ष करते हुए मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन टाई-ब्रेक में ज्वेरेव ने 7-0 से जीत दर्ज कर मैच पर पकड़ बना ली। इसके बाद दूसरे और तीसरे सेट में उनकी दमदार सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने फेरी टिक नहीं सके। ज्वेरेव ने 2 घंटे 14 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया।

लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब के करीब

29 वर्षीय ज्वेरेव पिछले महीने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) जीतकर अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। अब वह लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। वह विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले बोरिस बेकर और माइकल स्टिच यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस टूर्नामेंट में ज्वेरेव ने अब तक केवल दो सेट गंवाए हैं और सोमवार को जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में वह फिर से विश्व नंबर-2 बन जाएंगे। अगर ज्वेरेव रविवार को खिताब जीतते हैं तो वह ओपन एरा में एक ही सीजन में फ्रेंच ओपन और विंबलडन दोनों जीतने वाले केवल सातवें खिलाड़ी बन जाएंगे।

हार के बावजूद छाए आर्थर फेरी

ब्रिटेन के 23 वर्षीय आर्थर फेरी का यादगार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हुआ, लेकिन उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान से शुरुआत करने वाले फेरी ने दमिर जुमहुर, ओटो विर्तानेन, जिजू बर्ग्स, ग्रिगोर दिमित्रोव और फ्लावियो कोबोली जैसे खिलाड़ियों को हराकर अंतिम चार तक का सफर तय किया। उनके इस प्रदर्शन के दम पर लाइव रैंकिंग में 78 स्थानों की छलांग लगी है और वह करियर की सर्वश्रेष्ठ 36वीं रैंकिंग तक पहुंच गए हैं। उन्हें 9 लाख पाउंड की पुरस्कार राशि भी मिली, जो उनके पूरे करियर की अब तक की कुल कमाई से अधिक है।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

लॉर्ड्स में अर्धशतक लगाकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 58 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। इतना ही नहीं, महिला क्रिकेट में भी यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे। इससे पहले वह इसी मैदान पर वनडे और टी20 इंटरनेशनल में भी अर्धशतक जड़ चुकी थीं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।पुरुष क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने लॉर्ड्स पर टेस्ट और वनडे में अर्धशतक लगाए हैं। युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में भी यहां पचासा लगाया था, लेकिन उन्हें लॉर्ड्स में कभी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। इसलिए वह तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने का यह रिकॉर्ड नहीं बना सके।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा यह मुकाबला लॉर्ड्स में पहला महिला टेस्ट है। ऐसे में हरमनप्रीत कौर इस ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

अब फ्रांस से होगा महामुकाबला

फाबियन रूइज और मेरिनो के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में स्पेन के लिए फाबियन रूइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से चार्ल्स डी केटेलारे ने एकमात्र गोल दागा। अब सेमीफाइनल में स्पेन का सामना मौजूदा उपविजेता फ्रांस से होगा। यह मुकाबला डलास स्टेडियम में खेला जाएगा।

मैच में कौन से रिकॉर्ड बने?

बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन के लगातार 560 मिनट तक गोल नहीं खाने के रिकॉर्ड का अंत किया। इस दौरान सिमोन ने इटली के वाल्टर जेंगा के 1990 विश्व कप में बनाए गए 517 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। स्पेन ने लगातार 36वां मैच बिना हार के पूरा किया। उसने अर्जेंटीना के 2019-2022 के 36 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उससे आगे केवल इटली का 37 मैचों का अपराजित रिकॉर्ड है।

फाबियन रूइज ने दिलाई शुरुआती बढ़त

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने सभी को चौंकाते हुए पेड्री की जगह फाबियन रूइज को शुरुआती एकादश में मौका दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। मैच के 30वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ ने दानी ओल्मो का पहला शॉट रोक लिया, लेकिन रीबाउंड पर फाबियन रूइज ने शानदार फिनिश करते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद युवा स्टार लामिन यामाल ने भी बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया।

डी केटेलारे ने बेल्जियम की कराई वापसी

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले बेल्जियम ने शानदार जवाब दिया। केविन डी ब्रुने ने शानदार थ्रू पास देकर टिमोथी कास्टान्ये को आगे बढ़ाया। कास्टान्ये के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलारे ने 41वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ।

मेरिनो ने 88वें मिनट में दिलाई जीत

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्णायक पल 88वें मिनट में आया। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ 71वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स ने पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। रीबाउंड पर हाल ही में मैदान में उतरे मिकेल मेरिनो ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया और स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम सीटी तक बेल्जियम बराबरी नहीं कर सका और स्पेन ने जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

अब फ्रांस से होगी टक्कर

इस जीत के साथ स्पेन ने विश्व कप 2026 के अंतिम चार में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला फ्रांस से होगा। दोनों यूरोपीय दिग्गजों के बीच होने वाला यह मैच टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक माना जा रहा है।

अमुंडी एवियन चैंपियनशिप

अदिति अशोक ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, कट में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने फ्रांस में खेले जा रहे प्रतिष्ठित अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कट में जगह बना ली है। दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर अदिति ने 36 होल के बाद कुल दो अंडर पार का स्कोर बनाया और संयुक्त 38वें स्थान पर पहुंच गईं। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय गोल्फ के इतिहास में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली।

पहले दौर के बाद चुनौतीपूर्ण स्थिति में मौजूद अदिति ने दूसरे राउंड में बेहतरीन वापसी की। उन्होंने पूरे राउंड में चार बर्डी लगाईं, हालांकि इस दौरान तीन बोगी भी कीं। इसके बावजूद उन्होंने एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर आराम से कट में अपनी जगह पक्की कर ली।

यह अदिति अशोक के करियर का 38वां मेजर टूर्नामेंट है। इसके साथ ही वह किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर द्वारा सबसे ज्यादा मेजर टूर्नामेंट खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा, अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में यह नौवीं बार उनकी भागीदारी है और उन्होंने पांचवीं बार कट में जगह बनाने का कारनामा किया है।टूर्नामेंट में इंग्लैंड की लॉटी वोड ने दूसरे दौर में शानदार सात अंडर 64 का कार्ड खेला। 36 होल के बाद उनके नाम कुल 11 अंडर पार का स्कोर है और वह लीडरबोर्ड में पहले स्थान पर काबिज हैं।

टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक

स्मृति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज लॉर्ड्स, लंदन में खेली जा रही है। इस मैच में इंग्लैंड के टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने को कहा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन इसके बावजूद टीम की ओपनर स्मृति मंधाना ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अर्धशतक लगाया और एक छक्का व 11 चौकों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुईं। भारत ने पहली पारी में अपना पहला विकेट तब गंवा दिया जब टीम का स्कोर सिर्फ 4 रन ही था। टीम की ओपनर शैफाली वर्मा बिना खाता खोले यानी डक पर ही आउट हो गई और उसके ठीक बाद भारत का दूसरा विकेट 37 रन के स्कोर पर गिरा जब यास्तिका भाटिया 12 रन पर आउट हो गई। इसके बाद स्मृति ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया।

यही नहीं उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर टीम के लिए 64 रन की अर्धशतकीय साझेदारी भी की। जेमिमा पहली पारी में 35 रन बनाकर आउट हुईं।

टीम पर भड़के पार्थिव पटेल

संजू को बाहर करना तर्कहीन वैभव को लेकर निशाना साधा

नई दिल्ली। संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका देने को लेकर भारतीय टी20 टीम पर पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है।

पार्थिव पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में संजू सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है। अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।'वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला- पार्थिव ने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो।